छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 79 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 21 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

लीज में जमीन लेकर कर रहा था अफीम की खेती, खेत में करोड़ों रुपये की फसल देख पुलिस सन्न

रायगढ़ (एजेंसी)। दुर्ग और बलरामपुर जिले के बाद रायगढ़ जिले में अफीम की खेती का मामला सामने आने से प्रसाशन सन्न है। अफीम की खेती का इस महीने राज्य में यह चौथा मामला है। अफीम के खेती के मामले में इससे पहले दुर्ग और बलरामपुर जिले में पुलिस ने कार्रवाई की थी। अब रायगढ़ जिले के तमनार इलाके में करीब 1 एकड़ जमीन पर अवैध रूप से अफीम की खेती पकड़ी गई है।

जानकारी के अनुसार, तमनार ब्लॉक के आमाघाट में करीब एक से डेढ़ एकड़ में अफीम की फसल लगाई गई थी। अफीम की खेती की जानकारी मिलते ही शुक्रवार को पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई की है। पुलिस ने अफीम की खेती करने वाले युवक को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार युवक करीब 12 साल से अफीम की खेती कर रहा था।

आमाघाट के किसान से लीज पर लिया था खेत

झारखंड के रहने वाला मार्शल सांगा की रायगढ़ में ससुराल है। वह यहां 10-12 साल से रहकर अफीम की खेती कर रहा खा। उसने आमाघाट के किसान से तरबूज, ककड़ी उगाने के लिए खेत लीज पर लिया था। पुलिस ने मार्शल सांगा को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि झारखंड में रहने वाले अपने दोस्तों के कहने पर अफीम की खेती कर रहा था।

झारखंड के दोस्तो को देखकर शुरू की अफीम की खेती

मार्शल सांगा ने पूछताछ में पुलिस का बताया कि वह झारखंड का रहने वाला है। लेकिन अपने ससुराल रायगढ़ के तमनार में रहता है। वह पिछले 10-12 साल से यहां खेती कर रहा था। उसने पुलिस को बताया कि झारखंड में अफीम की खेती उसके दोस्त करते हैं। उन लोगों को ही देखकर उसने अफीम की खेती शुरू की थी। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

झारखंड का रहने वाले मार्शल सांगा यहां अफीम की खेती कर रहा था। उसे गिरफ्तारी किया गया है। यह जमीन किसकी और इस खेती में कौन-कौन शामिल है जांच की जा रही है।

शशि मोहन सिंह
एसएसपी, रायगढ़

भूपेश बघेल ने बोला हमला

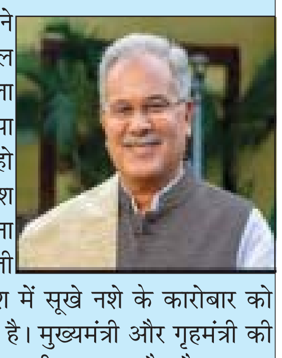

अफीम की खेती का मामला सामने आने के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। भूपेश बघेल ने कहा-भाजपा सरकार के संरक्षण में प्रदेश भर में हो रही अफीम की खेती का पर्दाफाश जारी है। अब रायगढ़ के तमनार थाना क्षेत्र के आमाघाट में अफीम की खेती पकड़ी गई है। जिस तरीके से प्रदेश में सूखे नशे के कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है, यह घातक है। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री की चुप्पी बताती है कि इस खेल का असली सरगना कौन है।

अफीम की खेती का खुलासा

छत्तीसगढ़ के चार इलाकों में अफीम की खेती का मामला सामने आया है। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अफीम की फसल को नष्ट कर दिया है। 7 मार्च को दुर्ग जिले के समोदा गांव में अफीम की खेती का मामला सामने आया। यह खेती बीजेपी नेता विनायक ताम्रकार के खेत में अफीम लगी थी। 10 मार्च को बलरामपुर जिले के कुसमी में करीब 3 एकड़ जमीन में अफीम की फसल मिली। 12 मार्च को बलरामपुर जिले के कोरंधा में ढाई एकड़ जमीन पर अफीम बरामद की गई। 20 मार्च को रायगढ़ जिले के आमाघाट में एक एकड़ जमीन में अफीम की फसल मिली।

टीएमसी का ऐलान- एससी-एसटी महिलाओं को हर महीने1700 देंगे बाकी को 1500 मिलेंगे

दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर जनता से 10 बड़े वादे किए। टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने कहा कि पार्टी की ओर से जो वादे किए गए हैं, उसका मकसद केंद्र के बढ़ते दखल और बंगाल की पहचान की सुरक्षा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार नागरिकों के वोट का अधिकार छीनने और राज्य को कमजोर करने की साजिश रच रही है।

ममता बनर्जी ने 10 वादे का ऐलान करते हुए कहा कि उनकी सरकार पूरे राज्य में 'द्वारे चिकित्सा, द्वारे स्वास्थ्य' अभियान शुरू करेगी। इसके तहत हेल्थ कैंप के जरिये लोगों के घरों तक जाकर इलाज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी के शासनकाल में संस्थागत प्रसव की दर अब 99.95 प्रतिशत हो गई है। जो पहले 58 प्रतिशत थी। उन्होंने स्कूलों के मॉडर्नाइनजेशन और विकास का वादा भी किया। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को कैबिनेट पहले ही मंजूर कर चुकी है।

टीएमसी चीफ ने कहा कि मैं बंगाल के लोगों से अपील करती हूं कि बंगाल को बचाने के लिए एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ लड़ें। अगर सेंट्रल एजेंसियां आपको डराने की कोशिश कर रही हैं, तो डरें नहीं। अगर वे आपको पैसे देने की कोशिश कर रहे हैं, तो न लें। वे बॉर्डर इलाकों से पैसा और हथियार, माफिया लाते हैं, यहां अशांति और दंगे कराने की कोशिश कर रहे हैं। मैं बांटने वाली राजनीति नहीं कर रही हूं। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सब एक जैसे हैं।

ममता बनर्जी के 10 वादे-

लक्ष्मी भंडार योजना में बढ़ोतरी-ममता बनर्जी ने महिलाओं को मिलने वाली लक्ष्मी भंडार योजना में 500 रुपये की बढ़ोतरी का वादा किया है। पहले इस योजना में जनरल कैटगरी की महिलाओं को 1000 रुपये और एससी एसटी को 1200 रुपये हर महीने मिलते हैं। अब 1500 और 1700 रुपये देने की घोषणा की गई है।

बंगालर युवा साथी योजना-बेरोजगार युवाओं को हर महीने 1,500 रुपये की आर्थिक मदद मिलती रहेगी।

30,000 करोड़ रुपये का कृषि बजट-किसानों और भूमिहीन किसानों को सहायता दी जाएगी और खेती को मजबूत किया जाएगा।

हर परिवार को पक्का घर-राज्य के सभी परिवारों को पक्का मकान दिया जाएगा।

हर घर में पाइप से पानी-सभी घरों तक पीने का साफ पानी पहुंचाया जाएगा।

हर साल स्वास्थ्य कैंप-हर ब्लॉक और शहर में साल में एक बार हेल्थ कैंप लगाए जाएंगे।

सरकारी स्कूलों का सुधार-सभी सरकारी स्कूलों की बिल्डिंग और सुविधाएं बेहतर की जाएंगी।

पूर्वी भारत का व्यापार केंद्र बनेगा बंगाल-बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स और व्यापार सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा।

बुजुर्गों को पेंशन-मौजूदा पेंशन जारी रहेगी और धीरे-धीरे सभी पात्र बुजुर्गों को इसका लाभ मिलेगा।

नए जिले और शहरी निकाय-राज्य में 7 नए जिले बनाए जाएंगे और प्रशासन को और मजबूत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री 'सरगुजा ओलंपिक-2026' के संभाग स्तरीय आयोजन का आज करेंगे शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा ओलम्पिक 2026 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 21 से 23 मार्च तक सरगुजा जिले के अंबिकापुर में किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज 21 मार्च को शहर के पीजी कॉलेज मैदान में तीन दिवसीय खेल का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन, खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव करेंगे।

अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त वाणिज्यिक कर आवास एवं पर्यावरण योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री सरगुजा ओपी चौधरी, आदिम जाति विकास कृषि विकास कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मछलीपालन पशुधन विकास विभाग मंत्री रामविचार नेताम, पर्यटन संस्कृति धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण चिकित्सा शिक्षा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास 20 सूत्रीय कार्यान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास समाज कल्याण विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज होंगे। विशिष्ट अतिथि पत्थलगांव विधायक गोमती साय, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह, बैकुण्ठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े, जशपुर विधायक रायमुनी भगत, प्रतापपुर विधायक शंकुतला पोर्ते, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, गृह निर्माण मण्डल अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, राज्य युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, अध्यक्ष वन विकास विभाग राम सेवक पैकरा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष रामकिशुन सिंह, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मण्डल अध्यक्ष राम प्रताप सिंह, अंत्यावसायी राज्य सहाकारी वित्त एवं विकास निगम अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बेसरा, माटीकला बोर्ड अध्यक्ष शम्भुनाथ चक्रवर्ती, तीरंदाजी संघ उपाध्याय राम लखन पैकरा, महापौर मंजूषा भगत एवं जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह होंगी।

तैयारियों की कलेक्टर ने बैठक लेकर की समीक्षा

कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर सरगुजा ओलम्पिक के अंतिम तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल में मंचीय व्यवस्था, पार्किंग, कार्यक्रम स्थल में एंट्री, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, भोजन, पार्किंग, चिकित्सकीय व्यवस्था, आवागमन आदि की जानकारी ली। वीवीआईपी, वीआईपी, मीडिया, आमजनों, खिलाड़ियों के बैठक व्यवस्था की जानकारी ली। कलेक्टर ने खिलाड़ियों हेतु समुचित व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आवासीय व्यवस्था, खेल मैदानों की व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, आवागमन हेतु वाहन सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने नोडल अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी गम्भीरतापूर्वक निर्वहन करने कहा। उन्होंने कहा जहां खिलाड़ियों के लिए रहने की व्यवस्था है, वहां सुरक्षा हेतु होम गार्ड, महिला दल तैनात रहें। नोडल अधिकारी एक्टिव रहें, सभी जिलों के नोडल से संपर्क रखें। खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो, समस्या संज्ञान में आने पर तत्काल निराकरण करें। कलेक्टर ने कहा कि यह सरगुजा जिले के लिए अच्छा मौका है, कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अच्छी रणनीति तैयार कर सम्पादित करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, अपर कलेक्टर राम सिंह ठाकुर, नगर निगम कमिश्नर डीएन कश्यप सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विद्यालय मैदान में उतरेगा हेलीकाप्टर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सुबह 10:30 बजे मुख्यमंत्री निवास सिविल लाइन रायपुर से प्रस्थान कर 10.35 बजे पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड रायपुर पहुंचकर 10.40 बजे अंबिकापुर के लिए प्रस्थान करेंगे। 11.50 बजे अंबिकापुर के केन्द्रीय विद्यालय मैदान, हेलीपेड में आगमन होगा, इसके पश्चात यहां से 12 बजे पी. जी. कॉलेज ग्राउंड पहुंचकर संभाग स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक 2026 शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। 1 से 1.30 बजे तक का समय आरक्षित रहेगा। पी.जी. कॉलेज मैदान से निकलकर मुख्यमंत्री 1.40 बजे कृषि विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र में राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेला 2026 कार्यक्रम में शामिल होंगे। 2.30 बजे यहां से प्रस्थान कर 2.40 बजे केन्द्रीय विद्यालय मैदान हेलीपेड पहुंचेंगे और हेलीकॉप्टर से सूरजपुर जिले के लिए रवाना होंगे।

साइबर अपराध से संबंधित रकम की हेराफेरी के लिए म्यूल अकाउंट का उपयोग, 3 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। साइबर ठगी, अपराध से संबंधित रकम की हेराफेरी के लिए म्यूल एकाउंट एवं एटीएम प्रदाय करने के मामले में 03 आरोपियों को गांधीनगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 101 नग पास बुक, 35 एटीएम, 28 चेक बुक, 03 मोबाइल व 03 सिम, सिम कार्ड कवर 08 नग, एटीएम कार्ड कवर 13 एवं नगद रकम 01 लाख 36 हजार रुपये जप्त किया है।

जानकारी के मुताबिक 19 मार्च को थाना गांधीनगर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एसबीआई शाखा बनारस रोड अंबिकापुर स्थित भवन के द्वितीय तल में किराए पर रहने वाला युवक राहुल गुप्ता पिता राजेश गुप्ता गांधीनगर क्षेत्र में अवैध तरीके से युवकों को आर्थिक लाभ पहुंचाकर उनके नाम से नया सीम खरीदवा रहा है और उस सीम से बैंक खाता खुलवाकर पासबुक व एटीएम कार्ड, चेक बुक जारी करवाकर इसका उपयोग अपराध से संबंधित रुपये को ट्रांसफर करने में कर रहा है। पासबुक, एटीएम कार्ड व सीम को बाहर भेजने की तैयारी है। प्राप्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद पुलिस टीम ने डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देश व नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में राहुल गुप्ता के किराए के घर में रेड किया और उसके पास से मोबाइल व काफी मात्रा में पासबुक, एटीएम कार्ड, चेक बुक सहित अन्य दस्तावेज व नकद रकम 01 लाख 36 हजार रुपये बरामद किया। बैंक खातों एवं अन्य दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ करने पर वह संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। संदेही राहुल गुप्ता को थाना लाकर बरामद बैंक खातों की जांच पोर्टल के माध्यम से की गई तो म्यूल एकाउंट में ऑनलाइन फ्रॉड का लाखों रुपये जमा होना पाया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण द्विवेदी, सहायक उप निरीक्षक बीरेंद्र कुजूर, महिला आरक्षक प्रिया रानी, आरक्षक अरविन्द उपाध्याय, अमृत सिंह, ऋषभ सिंह, अनुज जायसवाल, आनंद केरकेट्टा, लालदेव, जितेश साहू, अमन पुरी, विकास एक्का, शिव टोप्पो सक्रिय रहे।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

पुलिस के गिरफ्त में आया राहुल गुप्ता पिता राजेश गुप्ता 20 वर्ष, शिवा पार्क रेनुकुट, थाना पिपरी जिला सोनभद्र उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, जो वर्तमान में सुभाषनगर बनारस रोड स्टेट बैंक के दूसरे मंजिल पर किराए का मकान लेकर ठिकाना बनाया था। आरोपी के विरूद्ध थाना गांधीनगर में धारा 318(4), 317(4), 61(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। राहुल गुप्ता से पूछताछ के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने विकास किर्तनिया पिता रवि किर्तनिया 26 वर्ष, निवासी ग्राम चठिरमा व आशुतोष शर्मा पिता घनश्याम शर्मा 20 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 05 पानी टंकी के पास गोधनपुर को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो कमीशन के लालच में लाखों रुपये की धोखाधड़ी करना इन्होंने स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 03 मोबाइल पुलिस ने जप्त किया है। आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, अग्रिम जांच, विवेचना जारी है।

एसीबी का भय दिखाकर रिश्वत लेने वाला खुद एसीबी के हत्थे चढ़ा

दो लाख देने के लिए बना रहा था दबाव, एक लाख में हुआ सौदा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एसीबी ने दरिमा तहसील के एक लिपिक को एक लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के लिपिक अखिलेश सोनी को एंटी करप्शन ब्यूरो की रेड पड़ने के नाम पर भयभीत किया और सेटिंग कराने के नाम पर दो लाख रूपये मांगे थे, बाद में एक लाख में सौदा हुआ था।

जानकारी के मुताबिक, दरिमा तहसील में पदस्थ लिपिक अनिल गुप्ता ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ लिपिक अखिलेश सोनी को 10 मार्च को फोन करके मिलने के लिए कलेक्टोरेट चौक के पास बुलाया। जब अखिलेश सोनी पहुंचा, तो अनिल गुप्ता ने बताया कि उनका भतीजा एसीबी कार्यालय में पदस्थ है। अनिल ने कहा आपके खिलाफ जल्द एसीबी की ट्रैप या रेड की कार्रवाई होने वाली है। अखिलेश सोनी ने अपनी परेशानी बताकर सेटिंग कराने के लिए कहा तो अनिल गुप्ता ने दो लाख रुपये की मांग की। अखिलेश सोनी ने बताया कि, इस बातचीत के बाद कई बार अनिल गुप्ता ने उन्हें फोन किया डीईओ ऑफिस में भी जाकर मिला। हर बार पैसे की व्यवस्था करने का वह दबाव बना रहा था। दो लाख रुपए की लगातार मांग के बाद एक लाख रुपये में सौदा तय हुआ, और इसकी शिकायत अखिलेश सोनी ने एंटी करप्शन ब्यूरो से कर दी।

एसीबी की टीम ने अनिल गुप्ता को पकड़ने के लिए योजना बनाई और योजनाबद्ध तरीके से शुक्रवार को देर शाम कलेक्टोरेट चौक पर लाइब्रेरी के पास पहुंच गया, और अनिल गुप्ता को जैसे ही एक लाख रुपये नकद दे दिया। अनिल गुप्ता उक्त रकम को अपने गाड़ी की डिक्की में रखा और एंटी करप्शन के डीएसपी प्रमोद खेस की टीम ने अनिल गुप्ता को पकड़ कर गाड़ी की डिक्की से एक लाख रुपये जब्त कर लिया, जिसमें केमिकल लगे थे।

डीएसपी प्रमोद खेस ने कहा-एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने अनिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। अनिल गुप्ता इससे पहले अंबिकापुर के नजूल तहसीलदार कार्यालय में पदस्थ थे। करीब दो साल पहले उनका तबादला दरिमा तहसील में किया गया था। एसीबी यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उनका कोई भतीजा एंटी करप्शन ब्यूरो में पदस्थ भी है या नहीं।

टेंट संचालक के घर से जेवरात पार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। टेंट संचालक के घर से एक लाख रुपये से अधिक का जेवरात चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी कोतवाली थाना में दी गई है। घुटरापारा रोड निवासी राजू कुमार जायसवाल ने पुलिस को बताया है कि बीते 05 मार्च को 12 बजे के लगभग वे अपनी पत्नी के साथ बच्चे को लेकर मेडिकल स्टोर गए थे, घर खुला था। घर में काम करने वाली बाई थी। पत्नी और बच्चे के साथ वापस घर आने के बाद वह अपने काम से बाहर चला गया था। 06 मार्च को पत्नी ने फोन करके बताया कि बेडरूम के अलमारी में रखा 01 सोने का मंगलसूत्र, 02 कान का झुमका, 04 जिवतिया लॉकेट और 01 बच्चे का सोने का चेन नहीं है। चोरी गए जेवरातों का कुल वजन करीब 5 तोला है। पुलिस मामले में केस दर्ज करके अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

कर्ज के तनाव में युवक ने फांसी लगाकर दी अपनी जान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कर्ज के तनाव से परेशान ग्राम पंचायत रविंद्रनगर निवासी एक युवक ने बीती रात अज्ञात कारणों से घर में ही फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत रविंद्रनगर निवासी सेंट्रिंग का कार्य करने वाला 35 वर्षीय राजेश राय पिता दीपक राय ने गुरुवार की रात घर में अपने कमरे में सोने गया, जहां फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। परिजन ने आशंका जताई है कि युवक कर्ज की वजह से काफी तनाव में रहता था, जिस वजह से उसने उक्त घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने बताया कि युवक की पत्नी भी गुरुवार को ही अपने मायके जाने घर से निकली थी, जिससे वह अकेले पन का फायदा उठाकर फांसी लगा लिया है, हालांकि मामले की जांच पूरी होने के बाद ही वस्तुस्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस ने सूचना पर शव पंचनामा पीएम उपरांत मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने पर अपराध पंजीबद्ध

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार कटारा ने एल.पी.जी. गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण और घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग पर नियंत्रण के लिए निर्देश दिए हैं। उक्त निर्देश के परिपालन में एसडीएम रामानुजगंज के

आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

निर्देशन में सहायक खाद्य अधिकारी चंपाकली दिवाकर संयुक्त टीम के साथ एल.पी.जी. गैस सिलेंडर की वितरण एवं विनिमय आदेश 2000 के प्रावधानों के उल्लंघन के संबंध में आकस्मिक जांच हेतु होटल ढाबा में चेकिंग कर रही थी। एल.पी.जी. सिलेंडर चेक के दौरान राहुल जीत सिंह ने सहायक खाद्य अधिकारी के साथ अभद्रता पूर्ण व्यवहार करते हुए जातिगत गाली का प्रयोग कर

शासकीय कार्य में बाधा डाल रहा था। राहुल जीत सिंह को समझाने पर भी सहायक खाद्य अधिकारी को जातिगत गाली तथा जान से मारने की धमकी दे रहा था, जिसके कारण सहायक खाद्य अधिकारी ने राहुल जीत सिंह के विरूद्ध लिखित आवेदन देकर थाना रामानुजगंज में प्राथमिकी दर्ज कराई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एल.पी.जी. सिलेंडर के अवैध भंडारण और व्यावसायिक उपयोग पर नियंत्रण के लिए 18 मार्च 2026 को रामानुजगंज रिंग रोड स्थित सूरज ढाबा में चेकिंग के दौरान राहुल जीत सिंह द्वारा अनाधिकृत रूप से वीडियो बनाया जा रहा था, जिसे मना करने पर राहुल जीत एवं उसके साथी के द्वारा सहायक खाद्य अधिकारी का रास्ता रोककर जातिगत गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देकर शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा था। राहुल जीत मना करने के बाद भी नहीं माना, जिसके कारण सहायक खाद्य अधिकारी ने संबंधी लिखित आवेदन पर थाना रामानुजगंज में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस के द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया तथा आरोपी राहुल जीत सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड ने किया जिला जेल का निरीक्षण

न्यायधीश ने दी बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती विनीता वार्नर की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड ने शुक्रवार को यहां के जिला जेल का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य बंदियों की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता एवं विधिक सहायता व्यवस्थाओं की समीक्षा करना था। निरीक्षण दल ने बैरक, रसोईघर, स्वास्थ्य केंद्र एवं सामान्य उपयोग के क्षेत्रों का बारीकी से मुआयना किया तथा स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधाओं, शिक्षा कार्यक्रमों एवं लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया। अधिकारियों ने बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। प्रधान जिला न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि बंदियों को स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, नियमित चिकित्सा जांच एवं शिक्षा के अवसर बिना किसी व्यवधान के सुनिश्चित किए जाएं।जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल ने बंदियों को उनके अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया कि जेल लीगल एड क्लीनिक में उपस्थित अधिवक्ता एवं पीएलवी से बंदी बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी कानूनी समस्याएं साझा कर सकते हैं।

सचिव सुश्री पायल टोपनो ने बंदियों की व्यक्तिगत समस्याएं नोट कर मुफ्त अधिवक्ता नियुक्ति एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल की सेवाओं की जानकारी दी।इस निरीक्षण में अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कपिल देव पैकरा, जेल अधीक्षक विक्रम गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना से संवर रहा महिलाओं का जीवन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी दे रही है। इसी कड़ी में जिले के विकासखंड वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत परसडीहा की निवासी श्रीमती सुधा पटेल इस योजना

का लाभ लेकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रही हैं। एक गृहिणी होने के कारण पहले वे पूरी तरह से परिवार की आय पर निर्भर थीं, लेकिन अब महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त हो रही एक हजार रुपये की मासिक सहायता से उन्हें काफी सहूलियत मिल रही है।श्रीमती सुधा पटेल बताती हैं कि इस राशि से वे अपने बच्चों की छोटी-छोटी जरूरतों और इच्छाओं को आसानी से पूरा कर पा रही हैं।

वृद्धाश्रम में लगा आयुष स्वास्थ्य शिविर, बुजुर्गों को मिला उपचार व परामर्श

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। आयुष विभाग द्वारा स्नेह संबल वृद्धा आश्रम तिलसिवा में एक दिवसीय आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आश्रम में निवासरत वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका उपचार किया गया। इस दौरान चिकित्सकों द्वारा बुजुर्गों को ऋतुचर्या, दिनचर्या एवं योग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में वात रोग, बीपी, शुगर, कमजोरी एवं चर्म रोग से पीड़ित मरीजों का परीक्षण कर उन्हें होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाइयों का वितरण किया गया।शिविर में आयुष विभाग के डॉ. कुलदीप द्विवेदी, डॉ. अनीता

पैंकरा, डॉ. दिवाकर सिंह, डॉ. लीला प्रिया करकेटा, फार्मासिस्ट दाऊ राम कमर, उषा किरण, एमपीडब्ल्यू तुलेश्वर एवं चंद्रभान, लैब टेक्नीशियन भूपेंद्र सिंह सहित समाज कल्याण विभाग से अधीक्षक चंदा रजवाड़े पायल गुप्ता, सुरेश गुप्ता एवं सोशल वर्कर मोहित रजवाड़े उपस्थित रहे।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सरगुजा संभाग प्रभारी बने मुकेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा के संगठनात्मक विस्तार के तहत व्यापार प्रकोष्ठ में नई नियुक्ति की गई है। पार्टी नेतृत्व द्वारा वरिष्ठ कार्यकर्ता मुकेश गर्ग को भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ का संभाग प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं व्यापारिक संगठनों में हर्ष का माहौल है। पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मुकेश गर्ग को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में व्यापार प्रकोष्ठ और अधिक सशक्त होगा।

मुकेश लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं इससे पूर्व में व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक, भाजपा के मंडल अध्यक्ष से लेकर जिला प्रदेश में विभिन्न पदो पर रहे हैं। और व्यापारियों की समस्याओं को उठाने के लिए निरंतर कार्य करते रहे हैं। उनकी नियुक्ति से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नवनियुक्त संभाग प्रभारी श्री गर्ग ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे व्यापारियों के हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।सरगुजा संभाग के सभी छः जिलों का दौरा कर केंद्र व राज्य सरकार के द्वारा व्यापारियों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को बताते हुए उनकी समस्याओं से भी रूबरू होकर सरकार तक उनकी बात पहुँचाने का प्रयास करेंगे। श्री गर्ग वर्तमान में जिला भाजपा प्रवक्ता नगर पालिका परिषद में पार्षद व जिला योजना समिति के सदस्य भी हैं। उनके इस मनोनयन से भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष है।

माँ कुदरगढ़ी के पावन धाम में आज आएंगे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री माँ कुदरगढ़ी का दर्शन-पूजन कर जिलेवासियों को देंगे 185 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। चैत्र नवरात्र की पावन बेला में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज 21 मार्च को जिले के ओड़गी विकासखण्ड अंतर्गत प्रसिद्ध देवी धाम कुदरगढ़ पहुंचेंगे। इस दौरान उनके द्वारा 185.10 करोड़ के विकास कार्यों का लोकापर्ण व भूमिपूजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय अपने इस प्रवास के दौरान अंचल के सुप्रसिद्ध एवं प्राचीन माँ कुदरगढ़ी देवी मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन-अर्चन कर माँ कुदरगढ़ी के श्रीचरणों में प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना करेंगे। ज्ञात हो कि करीब 2 हजार फीट की ऊंची पहाड़ी पर विराजमान माँ कुदरगढ़ी का यह पावन धाम सदियों से अंचल की आस्था का केंद्र रहा है और प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्र के पवन अवसर पर यहां सुदूर अंचलों से लाखों श्रद्धालु पर्वतवासिनी माँ बागेश्वरी के दर्शन हेतु आते हैं।

इस शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जिलेवासियों के लिए 52 कार्यों का लोकार्पण और 24 कार्यों का भूमिपूजन कर 185 करोड़ 10 लाख के लागत के विकास कार्यों की बड़ी सौगात भी देंगे। इस दौरान लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय निकाय , लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन संभाग एवं महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी वि. वि. दुर्ग अंतर्गत सड़क, भवन, पेयजल, शिक्षा, जलाशय एवं नगरीय अधोसंरचना निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जायेगा। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही है। मंच एवं साज-सज्जा का कार्य अपने अंतिम चरणों पर है।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के नीरज बने प्रदेश आईटी सह प्रमुख

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा की गई है। घोषित कार्यकारिणी में नगर पंचायत शिवनंदनपुर निवासी नीरज अग्रवाल को संगठन का आईटी सह प्रमुख नियुक्त किया गया है।

उक्त नियुक्ति से संगठन कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। नवनियुक्त प्रदेश आईटी सह प्रमुख नीरज अग्रवाल ने कहा कि संगठन द्वारा मुझे जो जिम्मेदारी दी गई, उसे मैं सभी कार्यकर्ताओं से सामंजस्य स्थापित कर बेहतर तरीके से पूर्ण करने का प्रयास करूंगा।

रीजेंट की कमी ने करोड़ों की सुविधा को बना दिया आधा-अधूरा सिस्टम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर की हमर लैब आज एक अधूरी उम्मीद की कहानी बन चुकी है। सस्ती और सुलभ जांच अब आपके अपने अस्पताल में, कभी इस सोच के साथ शुरू हुई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर की हमर लैब आज अपनी ही अधूरी कहानी बयां कर रही है। करोड़ों रुपए खर्च कर बनाई गई यह आधुनिक लैब अब रीजेंट की कमी से जूझते हुए आधी-अधूरी सेवाओं तक सिमट गई है। जहां 51 प्रकार की जांचों का सपना दिखाया गया था, वहां अब सिर्फ 27 जांच ही किसी तरह हो पा रही हैं।

गौरतलब है कि साल 2023 में कोरोना महामारी के दौरान जब स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की जरूरत सबसे ज्यादा महसूस की जा रही थी, तब सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर में हमर लैब की स्थापना हुई। इसका उद्देश्य था कि स्थानीय 25 से 30 हजार की आबादी को शहरों की तरह बेहतर जांच सुविधा गांव में ही मिले। शुरुआती दौर में लोगों को कम खर्च में रिपोर्ट, जल्दी जांच और डॉक्टरों को बेहतर इलाज में मदद मिली, लेकिन धीरे-धीरे रीजेंट की कमी ने इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ तोड़ दी।आज आलम यह है कि एलएफटी,

आरएफटी, लिपिड प्रोफाइल, बायोकेमिस्ट्री और सिरोलॉजी जैसी अहम जांचें पूरी तरह बंद पड़ी हैं। ये वही जांचें हैं जिनके आधार पर डॉक्टर मरीज की गंभीर बीमारी का पता लगाते हैं। जिस वजह से मरीजों को अब या तो संभाग मुख्यालय जाना पड़ रहा है या फिर निजी लैब का सहारा लेना पड़ रहा है। वहां जेब ढीली करनी पड़ती है, जो गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए किसी बड़ी मुसीबत से कम नहीं है।अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की पीड़ा साफ झलकती है। एक मरीज के परिजन ने बताया कि सोचा था सरकारी अस्पताल में सस्ती जांच हो जाएगी, लेकिन अब बाहर जाना पड़ता है। कई मरीजों का कहना है कि एक-एक जांच के लिए सैकड़ों रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं, जिससे इलाज अधूरा छोड़ने की नौबत आ रही है। अस्पताल में रोजाना 35 से 40 मरीज जांच के लिए पहुंचते हैं। वहीं हर महीने 9 और 24 तारीख को आयोजित मातृत्व दिवस पर यह संख्या 90 से 100 तक पहुंच जाती है। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए ये जांचें बेहद जरूरी होती है, लेकिन संसाधनों की कमी के चलते उन्हें भी पूरी सुविधा नहीं मिल पा रही। बताया जा रहा है कि हमर लैब में लगाई गई अत्याधुनिक मशीनें, जिन पर लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किए गए, आज धूल खा रही हैं। रीजेंट के बिना ये मशीनें महज सजावट बनकर रह गई हैं।

लंबे समय तक उपयोग न होने से इनके खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है, जिससे सरकारी धन की भारी बर्बादी की आशंका जताई जा रही है। लैब कर्मियों का कहना है कि पहले रीजेंट की आपूर्ति नियमित होती थी, लेकिन पिछले दो वर्षों से स्थिति बिगड़ती चली गई है। स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और मरीजों ने शासन-प्रशासन से तत्काल रीजेंट उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर लैब पूरी क्षमता से चालू हो जाए, तो लोगों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इलाज सस्ता व सुलभ हो सकेगा।

बाल मैत्री कार्यक्रम से आंगनबाड़ी के नन्हें बच्चों को मिला स्कूल का पहला अनुभव

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में बाल मैत्री (बडी-बडी) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत आंगनबाड़ी में पंजीकृत 4 से 6 वर्ष के बच्चों को विद्यालयीन वातावरण से परिचित कराते हुए उनके सुगम ट्रांजिशन को सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम अंतर्गत जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों से बच्चों को निकटस्थ प्राथमिक शालाओं का भ्रमण कराया गया, ताकि बच्चों में विद्यालय के प्रति समझ और आत्मविश्वास विकसित हो सकें। इस दौरान बच्चों को कक्षा, खेल परिसर एवं विद्यालयीन गतिविधियों से परिचित कराया गया तथा उनके साथ खेल, विविध एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जिले के समस्त परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों की निगरानी में सभी सेक्टरों में बाल मैत्री कार्यक्रम आयोजित करते हुए सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों की सुरक्षा एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए विद्यालय का भ्रमण कराया तथा बच्चों के अभिभावकों को भी इस पहल की जानकारी दी गई।

जिला पंचायत सीईओ ने आजीविका सेवा केंद्र एवं चूजा पालन इकाई का किया शुभारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और महिला स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर द्वारा एकीकृत कृषि संकुल परियोजना के अंतर्गत विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत रूपपुर में आजीविका सेवा केंद्र एवं चूजा पालन इकाई का शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित इस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुख्य उद्देश्य चयनित 1000 कृषकों को तीन से चार विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उनकी वार्षिक आय में वृद्धि करना है।

नवनिर्मित आजीविका सेवा केंद्र किसानों के लिए एक सर्व-सुविधा केंद्र के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन से संबंधित कच्चे माल की आपूर्ति से लेकर बाजार तक का जुड़ाव सुनिश्चित किया जाएगा। स्थानीय किसानों को अब उद्यानिकी के लिए टपक सिंचाई उपकरण, मृदा आवरण,

हरित जाली और रस्सी, उन्नत खेती के लिए आवश्यक छोटे और मध्यम कृषि उपकरण, पशुपालन हेतु चूजे, मुर्गी दाना और आवश्यक दवाइयां तथा जैविक खेती के लिए मशरूम के बीज, जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशक जैसी सभी आवश्यक सामग्रियां एक ही स्थान पर और बाजार से कम दरों पर आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। परियोजना में चूजा पालन इकाई के माध्यम से छोटे चूजों को जन्म से लेकर 28 दिनों तक विशेष वैज्ञानिक देखरेख में रखा जाएगा और उनका पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने बताया कि घरेलू स्तर पर मुर्गीपालन करने वाले छोटे किसानों के लिए शुरुआती 28 दिनों में चूजों की मृत्यु दर सबसे बड़ी चुनौती होती है। इस इकाई के माध्यम से किसानों को 28 दिन के पूर्णत: स्वस्थ और टीकाकृत चूजे उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनका प्रारंभिक आर्थिक जोखिम न के बराबर होगा और उन्हें सीधा मुनाफा मिल सकेगा।

भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ श्रीराम प्रकटोत्सव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। राम नवमी के पावन अवसर पर नगर पंचायत जरही में धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश स्थापना के साथ ही श्री राम प्रकटोत्सव कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ, जिससे पूरा जरही ऊर्जा नगर भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं एवं पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश धारण कर नगर के प्रमुख मार्गों से शोभायात्रा निकाली। यात्रा के दौरान जय श्रीरामह्न के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिरस में डूब गया। कार्यक्रम स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं कलश स्थापना संपन्न कराई गई। आयोजकों के अनुसार, राम प्रकटोत्सव कथा के अंतर्गत आगामी दिनों में भजन-कीर्तन, धार्मिक प्रवचन एवं विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उत्सव के अंतिम दिवस विशाल हवन, भव्य शोभायात्रा एवं महा भंडारे का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। इस पूरे आयोजन ने जरही ऊर्जा नगर में धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का विशेष माहौल बना दिया है। स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित हुआ भर्ती परीक्षाओं में धोखाधड़ी रोकने वाला विधेयक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और नकल पर रोक लगाने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा में अहम कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ लोक भर्ती एवं व्यवसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम विधेयकह्न सदन में पेश किया, जिसे पक्ष-विपक्ष ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कानून सरकारी भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार और नकल माफिया पर लगाम लगाने के लिए लाया गया है। यह कानून छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल सहित सभी निगम और मंडलों की परीक्षाओं पर लागू होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब नकल या धांधली होने पर सिर्फ अभ्यर्थी ही नहीं, बल्कि सेवा प्रदाता एजेंसियां भी जिम्मेदार मानी जाएंगी।

नए कानून के तहत 3 से 10 साल की सजा, 1 करोड़ तक जुर्माना

मुख्यमंत्री ने बताया कि नए कानून के तहत दोषी पाए जाने पर 3 से 10 साल तक की सजा और अधिकतम 1 करोड़ रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। नकल

करने वाले अभ्यर्थियों को 3 साल तक परीक्षाओं से प्रतिबंधित किया जाएगा, वहीं नकल गिरोह की संपत्ति जब्त करने का भी प्रावधान है। जांच का जिम्मा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को दिया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर अन्य एजेंसियों से भी जांच कराई जा सकेगी। सीएम साय ने कहा कि सरकार युवाओं से किए वादों को पूरा कर रही है और इस कानून से परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अब किसी भी स्तर पर गड़बड़ी करने वाले बच नहीं पाएंगे।

सर्वसम्मति से हुआ पारित

विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने दोषियों को कड़ी सजा देने का समर्थन किया। वहीं भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि इस कानून के बाद कोई भी धांधली करने की हिम्मत नहीं करेगा। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि इससे युवाओं का भविष्य सुरक्षित होगा। सदन में विस्तृत चर्चा के बाद विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। खास बात यह रही कि विपक्ष के किसी भी विधायक ने इसका विरोध नहीं किया। सरकार का मानना है कि इस कानून से भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और युवाओं का भरोसा व्यवस्था पर और मजबूत होगा।

महिला समेत दो अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर पुलिस ने महिला सहित दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 5.260 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) उमेश प्रसाद गुप्ता के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और गंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की। पुलिस को सूचना मिली थी कि गंज थाना क्षेत्र में राजपूताना होटल के सामने एक महिला और एक पुरुष बैग में गांजा लेकर कहीं जाने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम कैलाश कुशवाहा (40 वर्ष) और पूजा पटेल (30 वर्ष), निवासी भोपाल, मध्यप्रदेश बताया। तलाशी के दौरान उनके बैग से गांजा बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ओडिशा से गांजा लाकर गुजरात के अहमदाबाद तक तस्करी करने की योजना बना रहे थे। पुलिस अब इनके नेटवर्क और सप्लाई चेन की जांच कर रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ गंज थाना में नारकोटिक एक्ट की धारा 20बी के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की जांच की जा रही है, ताकि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी की जा सके। छत्तीसगढ़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पांच दिन से लापता व्यक्ति का नदी किनारे मिला शव मचा हड़कंप

चोपन/ सोनभद्र - जुगैल थाना क्षेत्र अंतर्गत बरगवां गांव के टोला बरवा निवासी शिवचरण गोंड़ उम्र लगभग 55 वर्ष अपने घर से सुबह पिछले 14 तारिख को महुआ का पत्ता साफ करने निकले थे परन्तु घर वापस नहीं आये जिसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन किया किन्तु कोई पता नहीं चल पाया गुरुवार को गांव के ही कुछ चरवाहे सोननदी के किनारे अपने पशुओं को पानी पिलाने गये थे जहां सड़ी गली अवस्था में नदी के किनारे शव देखकर सन्न रह गये जिसके बाद ग्रामीणों को सुचना हुई तो काफी संख्या में ग्रामीण भी पहुंच गये जिसके बाद शव को देखकर शिवचरण गोंड़ के शव होने की पुष्टि की जिसके बाद मृतक का पुत्र सतोष गोंड़ ने पुलिस को सुचना दी सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया

हिंदू नववर्ष पर दीपोत्सव का भव्य आयोजन, जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा जरही

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। हिंदू नव वर्ष के शुभ अवसर पर नगर पंचायत जरही के ऊर्जा नगर स्थित दुर्गा पंडाल में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान हजारों दीपों की रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और श्रद्धा एवं उत्साह के साथ दीप प्रज्वलित कर नव वर्ष का स्वागत किया। जय श्रीरामह्न के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा, जिससे धार्मिक उल्लास का माहौल बन गया। इस अवसर पर लोमेश गर्ग शास्त्री की विशेष उपस्थिति रही। उनके सानिध्य में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया, जिससे कार्यक्रम और भी भक्तिमय हो गया। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक जागरूकता, एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश फैलाना है। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। दीपोत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए हिंदू नव वर्ष का भव्य स्वागत किया।

चैत्र नवरात्र व हिंदू नववर्ष पर भव्य शोभा यात्रा, दीपोत्सव और सांस्कृतिक आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 एवं चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर हिंदू युवा जागरण मंच के तत्वावधान में नगर में भव्य शोभा यात्रा, दीपोत्सव, भजन-संध्या, भंडारा एवं जगराते का भव्य आयोजन किया गया। पूरे नगर में धार्मिक उत्साह, श्रद्धा और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। हिंदू नववर्ष उत्सव के तहत हाई स्कूल ग्राउंड से शोभा यात्रा का शुभारंभ हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पेट्रोल पंप तक पहुंची और पुनः मुख्य चौक होते हुए वापस हाई स्कूल ग्राउंड में संपन्न हुई। मुख्य चौक पर आकर्षक आतिशबाजी और पटाखों के साथ उत्सव का उल्लास व्यक्त किया गया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ जनों द्वारा विधिवत आरती की गई। शोभा यात्रा के दौरान जय श्रीरामह्न और माता रानीह्न के जयघोष से पूरा नगर गुंजायमान रहा। आकर्षक झांकियां, भजन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध कलाकार संजय सुरीला ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां देकर देर रात तक श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, जनपद उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह एवं नवीन अग्रवाल ने श्रीराम की आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजन स्थल पर 11,000 दीपों से सजा भव्य दीपोत्सव एवं विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अंत में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील साहू ने आभार व्यक्त किया। यह भव्य आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि नगर में एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का भी सशक्त संदेश देने में सफल रहा।

एसीबी ने 35 हजार रिश्वत लेते जेई-एई समेत 3 को किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जांजगीर-चांपा। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो ने जिले में सीएसईबी के ग्रामीण जोन कार्यालय पर छापा मारकर 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और एक कंप्यूटर ऑपरेटर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जेई राजेंद्र शुक्ला, एई विजय नोरगे और एक कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल हैं। एसीबी टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए तीनों को रिश्वत लेते समय मौके पर ही पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने हाईटेंशन लाइन विस्तार कार्य के बदले आवेदक से रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई की और पूरे मामले का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान एसीबी टीम ने 35 हजार रुपये की रिश्वत राशि भी बरामद कर ली है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है और इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

कछार शिव मंदिर में चैत्र नवरात्र की धूम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। नगर से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी में स्थित ग्राम कछार के शिव शक्ति मंदिर में हर वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी धूमधाम से चैत्र नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है। कछार के प्रसिद्ध शिव शक्ति मंदिर को जगमग लाइट से खुभ अच्छी तरह सजाया गया है। जहाँ आसपास के गाँव गाँव सहित दूर दूर से भक्त पूजन करने पहुच रहे है। जहां भक्त अपने और परिवार के शुख शांति और समृद्धि के लिए ज्योति कलश स्थापित करते है। भक्तो का मानना है कि सच्चे मन से ज्योति कलश के स्थापना से भक्तो के सभी मुरादे माता रानी अवश्य पूरा करती है । रोजाना रात्रि आरती में काफी सँख्या में भक्त मंदिर प्रांगण में मौजूद रहते है। आरती के पश्चात माता की रसोई का प्रसाद भक्तों में वितरण किया जाता है जिसे पाने के लिए भक्त गाँव गाँव से मन्दिर पहुच रहे है। सभी हिन्दू भाईयो कों नववर्ष की शुभ कामना देते हुए बनारस से पूजन कराने आये चन्द्रेश्वर मिश्रा ने बताया कि नवरात्रो मे प्रमुख दो नवरात्र होते हैं। एक वासंतिक नवरात्र जो चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवमी तक मनाई जाती है। और दूसरा शारदीय अश्विन शुक्लपक्ष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्र संसार की आदि शक्ति महेश्वरी दुर्गा का पावन पर्व है। प्रथम दिन शैलपुत्री को दूध मेंवा का भोग प्रसाद अर्पण कर द्वितीय दिन ब्रह्मचारिणी देवी का पूजन करें इस क्रम से नव दीन नवरूप का पूजन हो नवदीन फलाहार करके उपवास रहना संभव न हो तो एक समय अन्न ग्रहण करके पूजन अर्चन करे अपने धर्म साधन के अनुसार ब्रत पूजन करे सफलता अवश्य प्राप्त होगी इसमे किसी तरह का संशय नही है।

बीमा मैच्योरिटी के नाम पर करोड़ों की ठगी करने तीन आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। एक अंतर्राज्यीय ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए रायपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर देशभर में लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी कर रहे थे। यह कार्रवाई दिल्ली एनसीआर में की गई, जहां आरोपियों ने गौर सिटी मॉल में कॉल सेंटर खोल रखा था।

प्रोसेसिंग फीस और अन्य चार्ज के नाम पर लिए 9.60 लाख रुपये

मामला तब सामने आया जब मुजगहन थाना क्षेत्र के निवासी परमजीत सिंह चड्ढा ने शिकायत दर्ज कराई। उन्हें फोन कर बताया गया कि उनकी बीमा पॉलिसी की मैच्योरिटी राशि करीब 98 लाख रुपये है, जिसे प्राप्त करने के लिए प्रोसेसिंग फीस और अन्य चार्ज जमा करने होंगे। झांसे में आकर उन्होंने अलग-अलग किश्तों में कुल 9.60 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में दस्तावेजों की जांच कराने पर पता चला कि उनके साथ ठगी हुई है।

आवाज बदलकर महिला बनकर करते थे बात

जांच में सामने आया कि आरोपी आवाज बदलकर महिला बनकर बात करते थे, ताकि लोगों को आसानी से भरोसे में लिया जा सके। वे फर्जी बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करते थे, जिससे उनकी पहचान छिपी रहे। पुलिस के अनुसार, गिरोह पिछले करीब 9 महीने से सक्रिय था और बीमा पॉलिसी की मैच्योरिटी राशि दिलाने या लोन दिलाने के नाम पर लोगों को ठग रहा था।

लोकेशन ट्रेस कर दिल्ली से आरोपी को किया गिरफ्तार

तकनीकी जांच और बैंक खातों के विश्लेषण के बाद पुलिस टीम ने आरोपियों की लोकेशन ट्रेस कर दिल्ली में दबिश दी। रेड के दौरान कॉल सेंटर से तीन आरोपियों अनिल कुमार, अजय तिवारी और रिंकू सिंह (सभी निवासी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं, जिनका इस्तेमाल ठगी के लिए किया जा रहा था।

देशभर में करोड़ों रुपये की कर चुके है ठगी

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे देशभर में लोगों को निशाना बनाकर करोड़ों रुपये की ठगी कर चुके हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह ने किन-किन राज्यों में वारदात को अंजाम दिया है।

पुलिस की अपील अनजान कॉल या मैसेज पर भरोसा न करें

मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस की एंटी क्राइम और साइबर यूनिट जांच कर रही है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल या मैसेज पर भरोसा न करें और बिना सत्यापन के किसी खाते में पैसा ट्रांसफर न करें।

सम्पादकीय

युद्ध रुकवाने में कूटनीतिक क्षमता का प्रयोग करे भारत

दुनिया एक बार फिर अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। अलग-अलग मोर्चों पर भड़कते संघर्ष न केवल क्षेत्रीय शांति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और मानवीय मूल्यों पर भी गहरा असर डाल रहे हैं। ऐसे समय में भारत की कूटनीतिक भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत ने हमेशा से ही एक संतुलित, व्यावहारिक और दूरदर्शी विदेश नीति अपनाई है, जो आज के जटिल वैश्विक परिदृश्य में उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रही है। चाहे रूस-यूक्रेन युद्ध हो, अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन का दौर हो या पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव। भारत ने हर मोर्चे पर अपने राष्ट्रीय हितों के साथ-साथ वैश्विक संतुलन को भी प्राथमिकता दी है। यही वजह है कि भारत एक साथ रूस से हथियार और ऊर्जा संसाधन लेता है तो यूक्रेन के साथ भी मानवीय संबंध बनाए रखता है। यह संतुलन केवल नीति नहीं, बल्कि एक परिपक्व कूटनीतिक सोच का प्रतीक है। आज स्थिति यह है कि भारत के संबंध अमेरिका, इजराइल और ईरान तीनों के साथ मजबूत और विश्वासपूर्ण हैं। यही कारण है कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील क्षेत्र से भारत के तीन जहाज (दो एलपीजी के और तेल से भरा) सुरक्षित निकलकर देश तक पहुंच पाए हैं। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि विश्वास और संवाद पर आधारित कूटनीति का परिणाम है। अब प्रश्न यह है कि क्या भारत इस स्थिति का उपयोग केवल अपने हितों की रक्षा तक सीमित रखे या फिर एक बड़ी वैश्विक जिम्मेदारी निभाने की दिशा में कदम बढ़ाए? स्पष्ट रूप से, यह समय भारत के लिए एक निर्णायक अवसर लेकर आया है। भारत यदि चाहे तो वह एक मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए युद्ध विराम की दिशा में पहल कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले कुछ वर्षों में एक नया आत्मविश्वास प्राप्त किया है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बात गंभीरता से सुनी जाती है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन द्वारा भारत के साथ संवाद स्थापित करना और मानवीय सहायता को स्वीकार करना इस बात का संकेत है कि भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, युद्ध में शामिल पक्षों के अपने-अपने रणनीतिक हित, राजनीतिक दबाव और क्षेत्रीय समीकरण हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की मध्यस्थता आसान नहीं होती। इतिहास गवाह है कि कठिन परिस्थितियों में ही बड़े कूटनीतिक कदम उठाए जाते हैं। भारत के पास वह नैतिक आधार, विश्वसनीयता और संतुलित दृष्टिकोण है, जो उसे इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। दिलचस्प यह भी है कि घरेलू राजनीति में मतभेदों के बावजूद, विदेश नीति के इस पहलू पर व्यापक सहमति दिखाई दे रही है। कांग्रेस नेताओं जैसे शशि थरूर और मनीष तिवारी द्वारा सरकार की कूटनीति की सराहना यह दर्शाती है कि राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर एक साझा दृष्टिकोण बन रहा है। यह भारत की लोकतांत्रिक मजबूती का भी संकेत है। आज दुनिया को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है, जो टकराव के बजाय संवाद को प्राथमिकता दे। जो शक्ति प्रदर्शन के बजाय शांति स्थापना को महत्व दे। भारत की परंपरा "वसुधैव कुटुंबकम्" इसी विचार को आगे बढ़ाती है। यह केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि एक व्यवहारिक कूटनीतिक दर्शन है, जिसे आज के समय में लागू करने की आवश्यकता है। अब समय है पहल का, क्योंकि शांति की हर कोशिश भविष्य को सुरक्षित बनाती है।

विभीषिका

ममता कुशवाहा

युद्ध की त्रासदी का सबसे भयावह पक्ष यह है कि इसकी कीमत वे लोग चुकाते हैं, जिनका युद्ध से कोई सीधा संबंध नहीं होता। निर्दोष नागरिक, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग, ये सभी इस हिंसा के सबसे आसान शिकार बन जाते हैं। हाल के दिनों में काबुल में हुए हवाई हमले में अस्पताल को निशाना बनाया जाना केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध एक गंभीर अपराध है। यदि मानवता को बचाना है तो हमें युद्ध के उन्माद से ऊपर उठकर शांति, सह-अस्तित्व और करुणा के मार्ग को अपनाना होगा। अन्यथा, इतिहास हमें एक ऐसी सभ्यता के रूप में याद करेगा, जिसने अपनी ही उपलब्धियों के बीच अपने मूल्यों को खो दिया।

विनाश के बीच विलुप्त होती संवेदनाएं

आज जब विज्ञान, तकनीक और वैश्वीकरण के सहारे मानव सभ्यता अभूतपूर्व प्रगति के शिखर की ओर अग्रसर है, उसी समय विश्व के अनेक हिस्सों में युद्ध का उन्माद मानवीय मूल्यों को रौंदता हुआ आगे बढ़ रहा है। यह विरोधाभास अत्यंत पीड़ादायक है कि एक ओर मनुष्य अंतरिक्ष में नई सीमाएं खोज रहा है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से जीवन को सुगम बना रहा है, वहीं दूसरी ओर उसी मनुष्य के भीतर हिंसा, प्रतिशोध और वर्चस्व की प्रवृत्तियां इतनी प्रबल हो उठी हैं कि वह अपने ही अस्तित्व के मूल आधार मानवता को नष्ट करने पर आमादा है। गाजा से लेकर यूक्रेन और अफगानिस्तान तक फैले युद्ध के दृश्य यह संकेत देते हैं कि आधुनिक सभ्यता की चमक के पीछे एक गहरा अंधकार भी मौजूद है, जिसमें संवेदनाएं दम तोड़ रही हैं। युद्ध की त्रासदी का सबसे भयावह पक्ष यह है कि इसकी कीमत वे लोग चुकाते हैं, जिनका युद्ध से कोई सीधा संबंध नहीं होता।

निर्दोष नागरिक, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग, ये सभी इस हिंसा के सबसे आसान शिकार बन जाते हैं। हाल के दिनों में काबुल में हुए हवाई हमले में अस्पताल को निशाना बनाया जाना केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध एक गंभीर अपराध है। अस्पताल, जो जीवन बचाने का प्रतीक होता है, जब वही विनाश का केंद्र बन जाए तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सभ्यता की आत्मा पर प्रहार है। चार सौ निर्दोष लोगों की मृत्यु केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि चार सौ परिवारों के उजड़ने की कहानी है, चार सौ सपनों के टूटने की पीड़ा है। अंतरराष्ट्रीय कानून और युद्ध संबंधी नियम, जिन्हें जिनेवा कन्वेंशन जैसे समझौतों के माध्यम से स्थापित किया गया है, स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करते हैं कि युद्ध के दौरान नागरिकों, अस्पतालों, स्कूलों और शरणार्थी शिविरों को निशाना नहीं बनाया जाएगा। इन नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध की विभीषिका के बीच भी कुछ मानवीय मर्यादाएं बनी रहें। किंतु वर्तमान समय में इन नियमों का उल्लंघन जिस निर्लज्जता के साथ किया जा रहा है, वह चिंताजनक है।

यह केवल नियमों की अवहेलना नहीं, बल्कि यह दर्शाता है कि शक्ति और प्रभुत्व की राजनीति ने नैतिकता को पूरी तरह पीछे छोड़ दिया है। युद्ध के पीछे निहित कारणों की पड़ताल करें तो स्पष्ट होता है कि यह केवल सीमाओं या संसाधनों का संघर्ष नहीं है, बल्कि इसमें राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक स्वार्थ और वैश्विक शक्ति संतुलन की जटिलताएं भी शामिल हैं। जब राष्ट्र अपने हितों को सर्वोपरि मानकर निर्णय लेते हैं तो वे अक्सर मानवीय मूल्यों की उपेक्षा कर देते हैं।

यह प्रवृत्ति विशेष रूप से तब और खतरनाक हो जाती है, जब शक्तिशाली देश अपने प्रभाव का उपयोग करके अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को भी निष्क्रिय बना देते हैं। परिणामस्वरूप, संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं भी कई बार केवल दर्शक बनकर रह जाती हैं और पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाता। युद्ध का एक और भयावह पहलू

शरणार्थी संकट के रूप में सामने आता है। जब लोग अपने घरों से विस्थापित होकर शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर होते हैं तो उनका जीवन असुरक्षा, अभाव और अनिश्चितता से भर जाता है।

भोजन, पानी, स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव उनके जीवन को और भी कठिन बना देता है। विशेष रूप से बच्चों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है, जिनका बचपन भय और अस्थिरता के बीच बीतता है। यह केवल एक पीढ़ी का संकट नहीं, बल्कि आने वाले भविष्य के लिए भी एक गंभीर चुनौती है, क्योंकि ऐसे माहौल में पले-बढ़े बच्चे अक्सर हिंसा और असुरक्षा के चक्र में फंस जाते हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक संदर्भों में भी युद्ध की यह संवेदनहीनता अत्यंत चिंताजनक है। रमजान जैसे पवित्र महीने में हिंसा का बढ़ना यह दर्शाता है कि आध्यात्मिक मूल्यों और नैतिक शिक्षाओं का प्रभाव कम होता जा रहा है। धर्म, जो मूलतः शांति, करुणा और सह-अस्तित्व का संदेश देता है, जब राजनीति और सत्ता के उपकरण के रूप में उपयोग होने लगता है तो उसकी मूल भावना विकृत हो जाती है। यह स्थिति न केवल समाज को विभाजित करती है, बल्कि हिंसा को भी वैधता प्रदान करने का प्रयास करती है। मीडिया और तकनीक की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

आज युद्ध के दृश्य तुरंत पूरी दुनिया तक पहुंच जाते हैं, जिससे एक ओर जागरूकता बढ़ती है, वहीं दूसरी ओर संवेदनहीनता भी बढ़ने का खतरा रहता है। लगातार हिंसा के दृश्य देखने से लोगों के भीतर एक प्रकार की उदासीनता विकसित हो सकती है, जिससे वे इन घटनाओं को सामान्य मानने लगते हैं। यह स्थिति और भी खतरनाक है, क्योंकि जब समाज संवेदनहीन हो जाता है तो अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की शक्ति भी कमजोर पड़ जाती है। इस पूरी स्थिति में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस हिंसा को रोकने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या यह केवल सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का दायित्व है, या समाज और व्यक्तियों की भी इसमें कोई भूमिका है? वास्तव में, यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकारों को चाहिए कि वे युद्ध के बजाय कूटनीति और संवाद का मार्ग अपनाएं, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन सुनिश्चित करें और मानवाधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता दें। वहीं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वाले देशों को जवाबदेह बनाया जा सके। समाज और नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जागरूकता, सहानुभूति और मानवता के मूल्यों को बढ़ावा देकर ही हम इस संकट का सामना कर सकते हैं। शिक्षा और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना आवश्यक है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि एक नई समस्या की शुरुआत है।

हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि शांति केवल समझौतों से नहीं, बल्कि मानसिकता के परिवर्तन से आती है। वास्तव में यह समय आत्ममंथन का है। हमें यह विचार करना होगा कि क्या हमारी प्रगति वास्तव में हमें अधिक मानवीय बना रही है, या हम केवल तकनीकी रूप से उन्नत होकर नैतिक रूप से पिछड़ते जा रहे हैं। यदि मानवता को बचाना है तो हमें युद्ध के उन्माद से ऊपर उठकर शांति, सह-अस्तित्व और करुणा के मार्ग को अपनाना होगा। अन्यथा, इतिहास हमें एक ऐसी सभ्यता के रूप में याद करेगा, जिसने अपनी ही उपलब्धियों के बीच अपने मूल्यों को खो दिया।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

नवरात्रि का संदेश

मुनीष भाटिया

शक्ति की आराधना और धर्म का सच्चा पालन

भारत की सनातन परंपरा में नवरात्रि केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण, आत्मशुद्धि और शक्ति-साधना का पावन काल है। यह वह समय है जब संपूर्ण सृष्टि आदिशक्ति मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना में लीन हो जाती है। नौ दिनों तक चलने वाला यह पर्व हमें न केवल भक्ति और श्रद्धा का मार्ग दिखाता है, बल्कि धर्म, न्याय और मर्यादा के पालन की प्रेरणा भी देता है। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों- शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री-की पूजा की जाती है। ये सभी स्वरूप केवल देवी के रूप नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन के आंतरिक गुणों और आध्यात्मिक शक्तियों के प्रतीक हैं। शैलपुत्री हमें स्थिरता और संकल्प का संदेश देती हैं, ब्रह्मचारिणी तप और संयम का, चंद्रघंटा साहस का, और कात्यायनी धर्म और न्याय की रक्षा का प्रतीक हैं। शास्त्रों में कहा गया है-यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। यह वाक्य केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि हमारे धर्म का मूल सिद्धांत है।

नवरात्रि का पर्व हमें यही सिखाता है कि नारी केवल पूजनीय नहीं, बल्कि सृष्टि की मूल शक्ति है। मां दुर्गा स्वयं उस शक्ति का प्रतीक हैं, जो सृष्टि का निर्माण, पालन और संहार-तीनों करती हैं। जब हम अपने समाज की वास्तविकता को देखते हैं, तो एक गहरी विडंबना सामने आती है। एक ओर हम पूरे विधि-विधान से देवी की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं, भजन-कीर्तन करते हैं, वहीं दूसरी ओर समाज में महिलाओं और बालिकाओं के प्रति असम्मान और हिंसा की घटनाएं हमें विचलित करती हैं। यह स्थिति केवल सामाजिक नहीं, बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी चिंताजनक है, क्योंकि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि आचरण में प्रकट होना चाहिए। नवरात्रि हमें यह स्मरण कराती है कि असली पूजा मूर्ति की नहीं, बल्कि शक्ति के स्वरूप का सम्मान करने में है। यदि हम मंदिर में देवी के चरणों में फूल अर्पित करते हैं, लेकिन अपने घर, समाज या कार्यस्थल पर किसी महिला का अपमान करते हैं तो हमारी पूजा अधूरी है। धर्म का सार केवल मंत्रोच्चार में नहीं, बल्कि हमारे व्यवहार में निहित होता है। मां दुर्गा का प्रत्येक रूप हमें यह संदेश देता है कि अधर्म और अन्याय के विरुद्ध खड़ा होना ही सच्चा धर्म है।

जब महिषासुर जैसे दानवों ने अत्याचार की सीमा पार कर दी, तब देवी ने उनका संहार कर धर्म की रक्षा की। यह कथा केवल पौराणिक नहीं, बल्कि एक शाश्वत सत्य है कि जब भी अन्याय बढ़ता है, तब शक्ति का प्रकट होना आवश्यक होता है। आज के संदर्भ में यह शक्ति केवल देवी के रूप में नहीं, बल्कि समाज की प्रत्येक महिला और बालिका के रूप में उपस्थित है। आवश्यकता इस बात की है कि हम उन्हें कमजोर नहीं, बल्कि शक्ति स्वरूपा के रूप में देखें। नवरात्रि का उपवास केवल शरीर को शुद्ध करने के लिए नहीं, बल्कि मन और विचारों को भी पवित्र करने का अवसर है। धार्मिक दृष्टि से यह भी आवश्यक है कि हम अपने बच्चों को केवल पूजा की विधि ही न सिखाएं, बल्कि नारी सम्मान, मर्यादा और सदाचार के संस्कार भी दें। जब तक हमारी आने वाली पीढ़ी यह नहीं समझेगी कि हर महिला में देवी का अंश है, तब तक समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। इसके साथ ही आत्मरक्षा भी एक प्रकार की धर्म-साधना है। जैसे मां दुर्गा ने अपने अस्त्र-शस्त्रों से अधर्म का नाश किया, वैसे ही आज की महिलाओं को भी अपने आत्मबल और साहस को जागृत करना होगा। यह केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक प्रकार का धर्म पालन है। समाज और परिवार को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि नारी की गरिमा बनी रहे। यदि किसी भी रूप में उसका अपमान होता है तो उसके विरुद्ध आवाज उठाना केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि धार्मिक उत्तरदायित्व भी है। अंततः, नवरात्रि हमें यह संदेश देती है कि 'शक्ति की उपासना तभी पूर्ण होती है, जब हम उस शक्ति का सम्मान अपने व्यवहार में भी करें।' इस स्थिति से निपटने के लिए केवल कानून और दंड पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि समाज की मानसिकता में बदलाव सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए कुछ ठोस कदम उठाए जाने आवश्यक हैं।

सबसे पहले, बच्चों को केवल पढ़ाई-लिखाई ही नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक मूल्यों की भी शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि वे सम्मान, संवेदना और सह अस्तित्व जैसे जीवन के मूल सिद्धांतों को समझ सकें। सच्ची नवरात्रि वही होगी, जब हमारे मंदिरों के साथ-साथ हमारे मन भी पवित्र हों, और हमारे कर्म यह प्रमाण दें कि हम वास्तव में शक्ति के उपासक हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जितने भक्त, उतने ही भक्ति के रूप

मानस में भक्त के चार प्रकार बताए गए हैं- ज्ञानी, जिज्ञासु, अर्थार्थी एवं आर्त। चार प्रकार के भक्तों की बात कह देना बहुत सरल है। भक्ति में वास्तविकता-अवास्तविकता का प्रश्न पहले नहीं उठाया जाता। जब तैरना सीख जाएंगे, तभी नदी में उतरेंगे, ऐसा नहीं कहा जा सकता। इसका तो श्रीगणेश ही व्यक्ति की अपनी मान्यता से होता है। संसार सत्य है या असत्य? विषय को चाहना उचित है या अनुचित? प्रारंभिक स्थिति में इन विवादों की कोई आवश्यकता नहीं। यहां तो सीधा आमंत्रण है। तुम संकट से त्राण पाना चाहते हो! ये सब प्रभु से ही संभव है। ब्रह्म-सुख पाना चाहते हो, तो आओ, प्रारंभ कर दो प्रभु के चरणों में भक्ति। अर्थ और अभिलाषाओं की पूर्ति चाहते हो! रहस्य जानना चाहते हो! सब सर्वदा प्रभु द्वारा साध्य होगा।भय और लोभ की सहज वृत्ति से भक्ति का श्रीगणेश होता है। भगवान की जिज्ञासा भक्ति का मध्यभाग है। भगवान का सुख पाना, उसमें एक हो जाना, भक्ति की चरम परिणति है। भय से संत्रस्त आर्त हैं। लोभ से प्रेरित अर्थार्थी हैं। जानने की इच्छा वाला जिज्ञासु है। जान पाने वाला ज्ञानी है। मानस में-'ग्यानी प्रभुहि बिसेषि पिआरा' कहकर गोस्वामीजी ने पुष्ट कर दिया है। मानस में भक्तों की ओर देखें, तो साधारण से लेकर असाधारण चरित्र वाले अनेक पात्र हमारे सामने आते हैं। दशरथ, गीध, वाल्मीकि, शबरी, कोल, भील, वानर, निशाचर आदि सब वहां (भक्ति में) एक पंक्ति में खड़े हुए दिखाई देंगे।

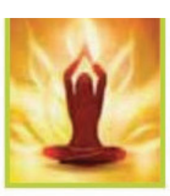

संकलित

दर्शन

चेतन अमल सहज सुख रासी

वस्तु, व्यक्ति और क्रिया- ये तीन चीजें दिखने में आती हैं। इनमें वस्तु तथा क्रिया- ये दोनों प्रकृति हैं और व्यक्ति रूप में जो दिखता है, यह शरीर भी प्रकृति ही है, परंतु इसके भीतर में जो न बदलने वाला है, यह परमात्मा का अंश है। अब अगर 'यह' वस्तु, क्रिया और व्यक्ति में नहीं उलझे, तो यह स्वाभाविक ही मुक्त है; क्योंकि 'यह' परमात्मा का साक्षात अंश है। इसके लिए कहा है- 'चेतन अमल सहज सुख रासी।' यह चेतन है, शुद्ध है, मलरहित है और सहज सुख राशि है, महान आनंद राशि है। यह महान आनंद राशि अपने स्वरूप की तरफ ध्यान न देकर संसार के संबंध से सुख चाहने लग गया। इससे यही भूल हुई है। यह संयोग जन्य सुख में फंस गया। जैसे, धन मिले, तो सुख हो। भोजन मिले, तो सुख हो। भोग मिले, तो सुख हो। कपड़ा, वस्तु, आदर, मान, सत्कार मिले, तो सुख हो। यह बड़े आश्चर्य की बात है कि स्वयं नित्य निरंतर रहने वाला है- 'सहज सुख रासी' स्वाभाविक ही सुख राशि है, परंतु इसमें यह वहम पड़ गया है कि संसार के पदार्थ मिलने से सुख होगा। यह बिछुड़ेगा जरूर ही 'संयोगा विप्रयोगान्ताः' जितने संयोग होते हैं, उनका अंत में वियोग होता है, तो संबंध से होने वाला सुख रहेगा कैसे? मनुष्य यह विचार नहीं करता है कि आज दिन तक संयोग से जितने सुख लिए थे, वे आज नहीं रहे। संयोग से होने वाले सुख का नमूना तो देख ही लिया; लेकिन अब भी चेत नहीं करते फिर और चाहते हैं कि संयोग से सुख ले लें।

संकलित

प्रेरणा

लाहौल और स्पीति में बर्फ से ढंके घर

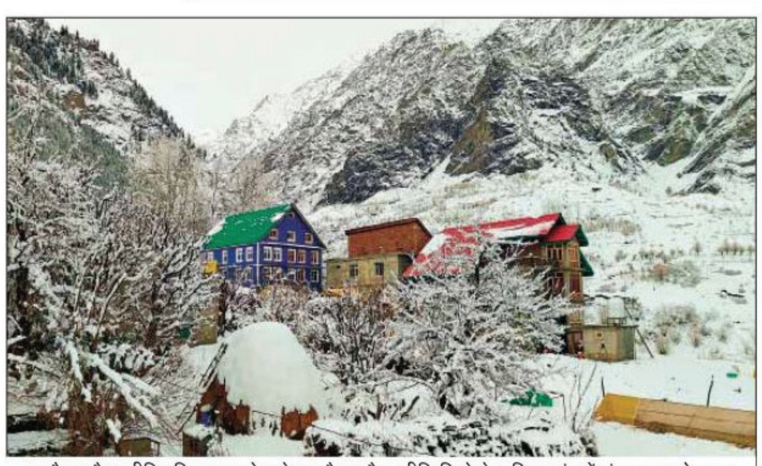

लाहौल और स्पीति। हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले के रशिल गांव में मंगलवार को ताजा बर्फबारी से ढके घर।

आज की पाती

पग-पग पर लगा व्यसन बाजार

जो पुरुषार्थ करते हैं, उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषार्थ ही काम आता है। फिर वह पुरुषार्थ चाहे अर्थ का हो या धर्म का। पुरुषार्थ, पुरुषार्थ होता है। वर्तमान युग में व्यसनों के चक्र से बचने वाले को भी पुरुषार्थी समझना चाहिए। पग-पग पर आज व्यसनों का बाजार लगा है। इस बाजार की हवा से आप दूर रहें, यह आपके पुरुषार्थ से ही संभव है। व्यसनों से बचकर चलने वालों के साथ समृद्धि चलती है। जो व्यसन के जाल में फंस गया, वह दरिद्रता को आमंत्रण देता है। सज्जन व्यक्ति व्यसनग्रस्त लोगों से व्यसन त्यागने के लिए उन्हें प्रेरित करके उनका कल्याण चाहता है। सरकार भी चाहती है कि समाज व्यसनों से मुक्त बने।

- चैनसुख गुरहिया, झज्जर

ट्रेंड

हार्दिक बधाई

पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई। पूर्ण विश्वास है कि आपका समृद्ध अनुभव और समाज के वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशील दृष्टि पिछड़े वर्गों के कल्याण को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

दिल्ली निवेश के लिए तैयार

दिल्ली ऐतिहासिक धरोहरों और विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों के साथ-साथ अपार अवसरों का शहर है। ऑरेंज इकॉनमी, डाटा सेंटर, आईटी हब और मेडिकल सेंटर्स जैसे विविध क्षेत्रों में दिल्ली निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

लॉ एंड आर्डर

उप्र में लॉ एंड आर्डर को ही गोली मार दी गयी है। मुख्यनगर गोरखपुर में दिनदहाड़े हुआ ये हत्याकांड बता रहा है कि बेखौफ अपराधियों को किसका प्रश्रय प्राप्त है। जनता समझदार है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

गैस की कालाबाजारी

मुख्यमंत्री का यह दावा कि "गैस की कोई कमी नहीं है", जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए जनता पर नियम थोपने के बजाय आपूर्ति सुनिश्चित करे और कालाबाजारी पर लगाम लगाए।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

एनडीआरएफ के लिए अतिरिक्त बटालियन की कमी पर चिंता

संसद की एक स्थायी समिति ने इस बात पर चिंता जाहिर की है कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की परिचालन जिम्मेदारियां बढ़ने के बावजूद पिछले तीन वर्षों में इसके लिए कोई अतिरिक्त बटालियन नहीं खड़ी की गई। संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत रिपोर्ट में, गृह मंत्रालय की स्थायी संसदीय समिति ने आपदा प्रतिक्रिया में एनडीआरएफ की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और अतिरिक्त कर्मियों के लिए आवश्यक वित्तपोषण सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। भाजपा सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल की अध्यक्षता वाली समिति ने बल की विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आपदा प्रबंधन में निभाई गई भूमिका और अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता अभियानों में इसके योगदान की भी प्रशंसा की। समिति ने 2026-27 की अनुदान मांगों पर अपनी 257वीं रिपोर्ट में कहा '' बढ़ती परिचालन जिम्मेदारियों के बावजूद पिछले तीन वर्षों में एनडीआरएफ के लिए कोई अतिरिक्त बटालियन नहीं खड़ी की गई है और तैनात बल (14,837) स्वीकृत बल (18,581) से काफी कम है। समिति ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से कहा कि वह मानव संसाधन में अंतर का मूल्यांकन करे और रिक्तियों को भरने के उपाय तेज करे ताकि परिचालन तत्परता सुनिश्चित की जा सके।

ऑफ बीट

लद्दाख-मंगोलिया से आए प्रवासी पक्षी राजहंस बने आकर्षण का केंद्र

सर्दी के जाने के साथ-साथ राजस्थान की झीलों और तालाबों से प्रवासी पक्षियों की विदाई लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन जयपुर के निकट चाकसू क्षेत्र में बोरखेड़ा गांव का तालाब इन दिनों एक अलग ही कहानी बयां कर रहा है। लद्दाख, मंगोलिया और तिब्बती पठार में पाए जाने वाले और सर्दी में उच्च हिमालय को पार कर दक्षिण एशिया की ओर प्रवास करने वाले प्रवासी पक्षी 'बार हेडेड गूज' जयपुर के निकट डेरा डाले हुए हैं। एक-दो की नहीं बल्कि 500 से अधिक 'बार-हेडेड गूज' के तीन बड़े-बड़े झुंड पक्षी प्रेमियों के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। पक्षी विशेषज्ञ डॉ. कमलेश शर्मा ने बताया कि स्थानीय बोलचाल में राजहंस के नाम से जाने-पहचाने वाले बार-हेडेड गूज सबसे ऊंचाई तक उड़ान भरने वाले पक्षियों में गिने जाते हैं। ये पक्षी 12,000 से 14,000 फुट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकते हैं और प्रतिदिन बिना रुके लगभग 1,600 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम होते हैं। उन्होंने बताया कि इनके शरीर में पाया जाने वाला विशेष प्रकार का हीमोग्लोबिन कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में भी अधिक ऑक्सीजन अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे ये हिमालय के ऊंचे दर्रों को पार कर पाते हैं। पक्षी विशेषज्ञ शर्मा ने बताया कि बोरखेड़ा तालाब का अधिकांश हिस्सा सूख चुका है।

50 किलो चीनी लेता था, पेमेंट 30 किलो का करता था, डी-मार्ट में चीनी चोरी का अनूठा मामला ,सात महीने में 43 बार ठगी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मुंबई ,मालाड पश्चिम स्थित नामी सुपरमार्केट डी-मार्ट में धोखाधड़ी का एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक ठग ने बारकोड से छेड़छाड़ कर स्टोर को हजारों रुपये की चपत लगा दी।करीब सात महीनों तक आरोपी लगातार इसी तरीके से चीनी की बोरियां खरीदता रहा और हर बार 20 किलो चीनी मुफ्त में लेकर निकल जाता था। मामले का खुलासा तब हुआ जब स्टोर के अर्धवार्षिक ऑडिट में चीनी के स्टॉक और बिक्री के आंकड़ों में भारी अंतर सामने आया। इस संबंध में डी-मार्ट के स्टोर मैनेजर सुनील विश्वनाथ शिंदे ने बांगुरनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। शिकायत के मुताबिक 26 जनवरी को स्टोर का नियमित ऑडिट किया गया था। यह ऑडिट कंपनी के अधिकृत ऑडिटर विलास सिरसाट और अभिषेक दुबे द्वारा किया जा रहा था। जांच के दौरान उन्होंने पाया कि चीनी की बिक्री और स्टॉक के आंकड़ों में बड़ा अंतर है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्टोर मैनेजर ने शुगर सेक्शन के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई। फुटेज में करीब 45 वर्ष का एक व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियां करते हुए दिखाई दिया, जो पिछले कई महीनों से नियमित रूप से स्टोर में आ रहा था। जांच में पता चला कि डी-मार्ट में बेची जाने वाली 50 किलोग्राम चीनी की बोरी पर बिलिंग और सुरक्षा के लिए दो अलग-अलग बारकोड लगे होते हैं। इनमें एक बारकोड 30 किलोग्राम और दूसरा 20 किलोग्राम का होता है। आरोपी बड़ी चालाकी से बोरी पर लगे 20 किलोग्राम वाले बारकोड को निकाल देता था। इसके बाद वह बोरी को बिलिंग काउंटर पर ले जाकर केवल 30 किलोग्राम का भुगतान करता और बाकी 20 किलोग्राम चीनी मुफ्त में लेकर निकल जाता था। पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार यह सिलसिला 1 जुलाई 2025 से शुरू होकर 26 जनवरी 2026 तक चलता रहा। इस दौरान आरोपी ने कुल 43 बार इसी तरीके से ठगी को अंजाम दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने कुल 43 बोरियां खरीदीं, जिनकी वास्तविक कीमत 92,450 रुपये थी।

न्यायालय नायब तहसीलदार कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. अ-19(3)/2025-26

ग्राम-जामचुआं, प.ह.नं. 17, तह, कुनकुरी

ईश्तहार

एतद् द्वारा समस्त ग्रामीण जनता ग्राम जामचुआं प.ह.न. 17 तहसील कुनकुरी, जिला- जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक / प्रादेशिक प्रबंधन (रिटेल) भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड कल्पना विहार, नेहरू नगर बिलासपुर रिटेल टेरिटरी (द्वारा प्रींस जोय लकड़ा पिता विक्रम लकड़ा) ने अपने पत्र क्रमांक आर.इ.एफ 281 / फएत्रृवछअफ / जशपुर / 01, दिनांक 05/12/2025 के तहत ग्राम जामचुआं प.ह.नं. 17 स्थित भूमि ख.नं.156/2, 156/3 पर रिटेल आउटलेट की स्थापना हेतु बी-1, नक्शा एवं 08 प्रतियों में ले आउट की मूल प्रति संलग्न कर अनापत्ति प्रमाण पत्र दिये जाने हेतु निवेदन किया गया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 30/03/2026 को इस न्यायालय में दिन के 11:00 बजे होना नियत किया गया है। अतः इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा आपत्ति उक्त तिथि तक इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
कुनकुरी, जिला जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०/अ-6/2025 26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रानी अग्रवाल पत्नि मनीष अग्रवाल, उम्र 33 वर्ष जाति अग्रवाल, निवासी महामाया रोड अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदक प्रीतम चन्द अग्रवाल आ० नान्हू राम अग्रवाल, जाति अग्रवाल निवासी रायगढ़ रोड पत्थलगांव तह० पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०) के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर शीट न० 08, मोहल्ला खरसिया रोड स्थित नजूल भूमि प्लाट नंबर 2824/9 में से रकथा 15७60= 900 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 23/02/2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा अपित्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक दिनाक 06/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 19/03/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि ऋतुराज दिक्षित पिता गुरूपाल दिक्षित जाति ब्राहमण निवासी खैरबार तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 738/6 रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय य अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र0-202603021200047/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सोमेश्वर शरण सिंह आ महाराजा चण्डीकेश्वर शरण सिंह देव जाति क्षत्रीय निवासी फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके नाम पर मोहल्ला-केदारपुर, शीट नंबर-03 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक 1065/4 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 को समाप्त हो रही है। जिस कारण आवेदक द्वारा लीज अवधि को बढ़ाए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक- 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

रा०प्र०क०/ब-121/2025-26

ग्राम पंचायत सेमराकठरा तहसील राजपुर

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता सेमराकठरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सुरेश खाखा आ० स्व. सहदेव जाति उराव निवासी ग्राम सेमराकठरा थाना राजपुर तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा अपने पिता स्व. सहदेव आ० भोला की मृत्यु ग्राम सेमराकठरा में दिनांक 17/08/ 2014 को हुआ है। किन्तु मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 16/03/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कायार्पालिक दण्डाधिकारी
राजपुर जिला बलरामपुर

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

रा०प्र०क्र०. ब-121/2025-26

ग्राम - करजी तहसील राजपुर

ईश्तहार

एत्द द्वारा सर्वसाधारण आम जनता करजी को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विफलराम आ० लालचन्द जाति निवासी ग्राम करजी थाना राजपुर तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा अपने नाना स्व. चैतु आ० जंगी का मृत्यु ग्राम करजी में दिनांक 05/07/1990 को हुआ है। किन्तु मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 10/04/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कायार्पालिक दण्डाधिकारी
जिला बलरामपुर रामानुजगंज (छ०ग०)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि संगीता गुप्ता पत्नी संतोष गुप्ता जाति हलवाई निवासी शीतला वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 243/92 रकबा 0.033 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय/व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गुंजाराय पत्नी राजेश राय, नेहा तिवारी पत्नी प्रवीण राय जाति भूमिहार निवासी शिवधारी कालोनी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 811/10 रकबा 0.021 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, ले-आउट, रि-नम्बरींग सूची, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है. जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र० क्र-202603021200046/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सोमेश्वर शरण सिंह आ० महाराजा चण्डीकेश्वर शरण सिंह देव जाति क्षत्रीय निवासी फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके नाम पर मोहल्ला-भठापारा, शीट नंबर-11 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक 4531/34 रकबा 0.24 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 को समाप्त हो रही है। जिस कारण आवेदक द्वारा लीज अवधि को बढ़ाए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अर्थवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायलय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विरेन्द्र सिंह आ० स्व० गणेश सिंह निवासी डी-सी रोड. अम्बिकापुर थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने पत्नी स्व०श्रीमती शिवन्ती सिंह आ० पति विरेन्द्र सिंह की दिनांक 21/12/2012 में स्थान निवास में हुई है आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

यूएन रिपोर्ट में भारत की सफलता पर पीएम मोदी ने जताई खुशी

बाल मृत्यु दर में 70 फीसदी की गिरावट बड़ी कामयाबी

संयुक्त राष्ट्र बाल मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह ने बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत में बाल मृत्यु दर में भारी गिरावट देखने को मिली। नवजात शिशु मृत्यु दर में 70 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यूएन ने बाल मृत्यु दर में गिरावट को लेकर भारत की जमकर सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि यूएन की रिपोर्ट में बच्चों की मौत में तेज गिरावट के लिए भारत की तारीफ की गई। संयुक्त राष्ट्र बाल मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह के अनुसार बच्चों की मौत की दर को कम करने में दुनियाभर में भारत का अहम बनकर उभरा है।

छोटे बच्चों की मौतों में 76 फीसदी की कमी

2 दशकों में भारत ने दक्षिण एशिया क्षेत्र में बच्चों की मृत्यु दर को कम करने की कोशिशों में अहम भूमिका निभाई है। 1990 से 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मौतों में 76 फीसदी की कमी आई है और 2000 से 68 फीसदी की कमी आई। यह बड़ी कमी मुख्य रूप से भारत जैसे देशों के कारण आई है, जहां लक्षित सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप, बेहतर संस्थागत डिलीवरी है।

भारत ने निमोनिया डायरिया, मलेरिया पर नियंत्रण पाया

5 साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में काफी कमी आई है। 2000 में हर 1,000 जीवित जन्मों पर 92 मौतों से घटकर 2024 में लगभग 32 हो गई है। भारत के खास दखल ने निमोनिया, डायरिया, मलेरिया और जन्म से जुड़ी दिक्कतों पर नियंत्रण किया है।

990 में 57 से घटकर 2024 में 17 हो गई

रिपोर्ट में इन नतीजों ने एक मजबूत, केंद्र और राज्यों द्वारा संचालित तथा मानकों पर आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की प्रभावशीलता को उजागर किया है। भारत ने राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर मापने योग्य परिणामों में बदलने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। नवजात शिशु मृत्यु दर में 70 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जो 1990 में 57 से घटकर 2024 में 17 है।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मोहम्मद अहमद अली पिता मोहम्मद असगर अली जाति दर्जी निवासी नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 221/12 रकबा 0.008 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

//ईश्तहार///

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम नारायणपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक निरपत राम आ. राम सहाई जाति तेली निवासी ग्राम नारायणपुर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा अपने आधिपत्य की भूमि ग्राम नारायणपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 521/2 रकबा क्रमशः 0.18, हे. में से 0.04, हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, रजिस्ट्री की छायाप्रति, बी-1, खसरा, नक्शा, सरगुजा सेटलमेंट, रिनबरिंग सूची की छायाप्रति एवं ग्राम पंचायत नारायणपुर का अन्नापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 30.03.2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 17.03.2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
रामानुजनगर
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

ररा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण आनंद मोहन उसराठे, कविता उसराठे आ० स्व० चन्द्रमोहन उसराठे, सभी निवासी नेहरूवार्ड सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-02 मोहल्ला सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल मूखण्ड कमांक 680/2, 680/6 रकबा कमशः 0.06. 0.021/4 एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 07/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 16/03/2026 की मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/./अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक विरेन्द्र कुमार सिंह आ० कामता प्रसाद, निवासी केदारपुर पानी टंकी के पास अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-02 मोहल्ला- केदारपुर.. नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 203/6, कुल रकबा 2178 वर्गफीट भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सविता सिंह पति विरेन्द्र कुमार सिंह, निवासी केदारपुर पानी टंकी के पास अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-02 मोहल्ला- केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 203/3 कुल रकबा 2178 वर्गफीट भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विरेन्द्र कुमार सिंह आ० कामता प्रसाद, निवासी केदारपुर पानी टंकी के पास अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-09 मोहल्ला बाबूपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3467/4866/82 कुल रकबा 1272 वर्गफीट भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सरीफन बीबी पत्नि स्व० सुकरूल्ला अंसारी, उम्र- 80 वर्ष, निवासी ग्राम तकिया सरिफ, रनपुरखुर्द अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के पति सुकरूल्ला अंसारी आ.स्व. गुलाम रसूल के स्वामित्व व आधिपत्य की मोहल्ला जरहागढ शीट न 08 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नंबर 2348/4 रकबा 0.04 एकड़ भूमि है। आवेदिका के पति सुकरूल्ला अंसारी की मृत्यु दिनांक 26/07/2010 की हो गई है। अतः भूधारक सुकरूल्ला की मृत्यु हो जाने उपरांत उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से उनका नाम विलोपित करते हुये स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदिका द्वारा भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति कस दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक 06/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05/03/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती गायत्री देवी यादव पति बृजेश कुमार यादव निवासी नेहरू वार्ड सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-02 मोहल्ला सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 627/11 रकबा 0.06 एकड़ एवं नजूल भूखण्ड क्रमांक 624/3. 625/7 कुल रकबा 0.04 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दाया/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ में जल क्रांति का नया अध्याय: जल जीवन मिशन 2.0 पर ऐतिहासिक एमओयू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में जल जीवन मिशन 2.0 के तहत केन्द्र और राज्य के बीच एमओयू कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल की वर्चुअल मौजूदगी में अधिकारियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर एक्सचेंज किया। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में यह पहल ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि हर घर जलह्व के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जल जीवन मिशन 2.0 के तहत हुये एमओयू से इन कार्यों में गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 10 मार्च 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जल जीवन मिशन के विस्तारित चरण, जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी दी है। इस चरण में जल सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत करने के साथ-साथ जनभागीदारी को भी सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में अब तक 41 लाख 30 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी लगभग 82.66 प्रतिशत घरों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। साय ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत दूरस्थ, वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल पहुंचने से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें पहले पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था। उन्होंने कहा कि मिशन 2.0 के तहत ग्राम स्तर पर जल प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी बढ़ाने और जल स्त्रोतों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही जल संवर्धन, पुनर्भरण तथा योजनाओं के संचालन और रखरखाव को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि इस एमओयू के माध्यम से पारदर्शी और तकनीक आधारित जल सेवा प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल वितरण और अधिक व्यवस्थित एवं सुदृढ़ होगा। मुख्यमंत्री ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री से 1300 करोड़ रुपये की विशेष स्वीकृति का आग्रह भी किया। इस स्वीकृति से 70 समूह जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के 3 हजार से अधिक गांवों तक पेयजल पहुंचाने में मदद मिलेगी।

आदिवासी अस्मिता की रक्षा का संकल्प: छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 का व्यापक अर्थ

राज नारायण द्विवेदी

19 मार्च 2026 को छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा पारित ह्यछत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य (संशोधन) विधेयक, 2026 ने धर्म, स्वतंत्रता और राज्य की भूमिका को लेकर एक व्यापक राष्ट्रीय विमर्श को जन्म दिया है। यह विधेयक केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक पहचान और संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने का एक प्रयास है, विशेषकर जनजातीय समाज के संदर्भ में। इस महत्वपूर्ण विधेयक को राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा द्वारा सदन में प्रस्तुत किया गया, जिसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार ने पारित कराया। सरकार का स्पष्ट मत है कि धर्मांतरण तभी तक वैध है, जब वह पूर्णतः स्वेच्छा और आस्था पर आधारित हो; किंतु यदि उसमें प्रलोभन, दबाव या कपट का तत्व शामिल हो, तो वह न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि सामाजिक संतुलन को भी प्रभावित करता है। विधेयक में दंड के प्रावधानों को अत्यंत कठोर बनाया गया है। अवैध सामूहिक धर्मांतरण अर्थात दो या अधिक व्यक्तियों का एक साथ जबरन या प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के मामलों में 10 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है। महिलाओं, नाबालिगों तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लिए 10 से 20 वर्ष तक की सजा और भारी आर्थिक दंड निर्धारित किया गया है। अपराध को संज्ञेय एवं गैर-जमानती बनाते हुए विशेष अदालतों में त्वरित सुनवाई का प्रावधान इस कानून की गंभीरता को और अधिक स्पष्ट करता है। विपक्ष विशेषकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस विधेयक का विरोध करते हुए इसे प्रवर समिति में भेजने की मांग की। प्रवर समिति एक तदर्थ संसदीय व्यवस्था होती है, जिसका उद्देश्य किसी विधेयक की गहन समीक्षा और विभिन्न पक्षों से विचार-विमर्श करना होता है।

मगरमच्छ संरक्षण से बदली कोटमीसोनार की तस्वीर, पर्यटन और रोजगार को मिला बढ़ावा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मगरमच्छों के संरक्षण और पुनर्वास इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके तहत वन्यजीवों की सुरक्षा के प्रति हमारी जिम्मेदारी और मगरमच्छ के संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ के जांजगीर-चांपा वनमण्डल के अंतर्गत स्थापित मगरमच्छ संरक्षण आरक्षिती केन्द्र, कोटमीसोनार आज वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण विकास और पर्यटन का सफल उदाहरण बनकर उभर रहा है। इस केन्द्र का निर्माण मगरमच्छों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से किया गया है। मगरमच्छ की सभी प्रजातियाँ लुप्तप्राय नहीं हैं, लेकिन कुछ प्रजातियों की आबादी बहुत कम हो जाने के कारण, उनके प्रबंधन और सुरक्षात्मक कानूनों की आवश्यकता है। मगरमच्छ संरक्षण परियोजना भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 भारत सरकार द्वारा शुरू की गई थी। इसका प्रमुख उद्देश्य प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना, कैप्टिव ब्रीडिंग के माध्यम से मगरमच्छों की संख्या को बढ़ावा देना और प्राकृतिक वातावरण में नवजात शिशु के जीवित रहने की कम दर का समाधान करना है। वन विभाग द्वारा मगरमच्छ संरक्षण के लिए जांजगीर-चांपा जिला के ग्राम कोटमीसोनार स्थित मुड़ातालाब को चिन्हित कर जिले के विभिन्न तालाबों से मगरमच्छों को यहां लाकर सुरक्षित वातावरण में छोड़ा गया।

छत्तीसगढ़ में 6 दिवसीय फेम ट्रिप सफलतापूर्वक संपन्न, छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिली नई दिशा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से राज्य के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से 13 से 18 मार्च तक आयोजित 6 दिवसीय विशेष फेम ट्रिप सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। यह आयोजन राज्य सरकार की दूरदर्शी सोच और पर्यटन को आर्थिक विकास के प्रमुख साधन के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस ट्रिप में देश के विभिन्न राज्यों, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, ओडिशा, चेन्नई, बेंगलुरु एवं अंडमान-निकोबार से आए लगभग 30 टूर ऑपरेटर एवं ट्रैवल एजेंट्स ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित कर उत्तर एवं दक्षिण छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया, जिससे उन्हें राज्य की विविध पर्यटन संभावनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। उत्तर छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर, मैनपाट, रामगढ़ और जशपुर जैसे स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता एवं इको-टूरिज्म संभावनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़ में कांगेर घाटी, कोंडागांव, जगदलपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बारसूर एवं धुडमारास जैसे स्थलों के माध्यम से बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक वैभव का अनुभव कराया गया। फेम ट्रिप के दौरान बस्तर स्थित विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात ने प्रतिभागियों को विशेष रूप से आकर्षित किया, जहां उन्होंने बोटिंग के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। चित्रकोट के प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन कर उन्होंने आध्यात्मिक अनुभव भी प्राप्त किया। इसके अलावा स्थानीय हाट-बाजारों का भ्रमण कर प्रतिभागियों ने जनजातीय जीवनशैली, पारंपरिक आयोजनों और सांस्कृतिक विविधता को करीब से समझा, जो छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान है। ऐतिहासिक नगरी बारसूर के बत्तीसा मंदिर एवं प्राचीन गणेश प्रतिमाओं का अवलोकन कर राज्य की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर संभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर पर्यटन विकास, सुरक्षा व्यवस्था एवं बुनियादी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की, जिससे राज्य में पर्यटन के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण का विश्वास मजबूत हुआ।

राज्यपाल से रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली के अध्ययन दल ने की सौजन्य भेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) नई दिल्ली के अध्ययन दल ने सौजन्य भेंट की। रक्षा महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक अध्ययन विषय पर भारत को समझनाः अध्ययन यात्रा के अंतर्गत 16 सदस्यों का दल 15 से 20 मार्च तक छत्तीसगढ़ भ्रमण पर था। अपनी यात्रा के अंतिम दिन आज इस दल ने राज्यपाल डेका से मुलाकात की। अध्ययन दल में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारीगण, मित्र देशों के सेनाधिकारी तथा कुछ सिविल सेवाओं के अधिकारीगण शामिल थे। इस दल ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न पर्यटक स्थलों, जैसे- बारनवापारा अभ्यारण्य, ट्राइबल म्यूजियम, पुरखौती मुक्तांगन, बस्तर के विभिन्न जलप्रपात, कोन्डागांव के शिल्पग्राम इत्यादि का भ्रमण किया। राज्यपाल डेका ने अध्ययन दल के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ एक सुंदर प्रदेश है। आप सभी दोस्तों और परिवार के सदस्यों को अपने भ्रमण और छत्तीसगढ़ की खूबसूरती के बारे में बताएं, ताकि वे भी पर्यटक के रूप में यहां आ सकें। उन्होंने छत्तीसगढ़ की विशेषताओं के बारे में अध्ययन दल से चर्चा की। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यहां पर धान की प्रजातियों को संरक्षित करके रखा गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की शिल्प कला जैसे ढोकरा आर्ट, वुडन आर्ट, बैम्बु आर्ट के बारे में भी चर्चा की। इस प्रदेश में प्रतिभाशाली लोगों की भी कमी नही है, अमेरिका के ह्यूस्टन में छत्तीसगढ़ के हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपनी सेवाएं दे रहे है। इसके अलावा अमेरिका में बसे छत्तीसगढ़ के प्रवासी लोगों की संस्था नार्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन (नाचा) अमेरिका में स्वदेशी मेले का आयोजन करते है, जहां पर छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया जाता है। उन्होंने इस दौरान ऊर्जा के नवीनीकृत स्त्रोतों को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की बात कही। श्री डेका ने छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के बारे में भी अध्ययन दल को अवगत कराया। अध्ययन दल के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए छत्तीसगढ़ की सुंदर, संस्कृति, कला और परंपराओं की सराहना की। अध्ययन दल ने छत्तीसगढ़ के आतिथ्य की तारीफ करते हुए कहा कि यहां के लोग सीधे सरल और आत्मीय है। हम सभी को यहां आकर बहुत अच्छा लगा। अध्ययन दल के सदस्यों ने प्रदेश में संचालित लोककल्याणकारी योजनाओं जैसे महतारी वंदन, कृषक उन्नति योजना, नक्सल पुनर्वास नीति आदि की सराहना की।

कोरियर से बी.पी. मशीन की आड़ में कोकीन मंगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। बी.पी. मशीन की आड़ में कोरियर के जरिए कोकीन मंगाने वाले आरोपी को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और थाना देवेन्द्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान कृष्ण गोपाल अग्रवाल (28 वर्ष) के रूप में हुई है, जो रायपुर का निवासी है। आरोपी के कब्जे से 4.55 ग्राम कोकीन जब्त की गई है, जिसकी कीमत लगभग 2.27 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त एक चारपहिया वाहन और एक महंगा मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। कुल जब्त संपत्ति की कीमत करीब 20.27 लाख रुपये बताई गई है।

कोरियर से मंगवाता था कोकीन

जांच में सामने आया है कि आरोपी अन्य राज्यों से कोरियर के माध्यम से कोकीन मंगाता था।

प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को डबल इंजन की सरकार ने किया दूर : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की हमारी धरती, सघन वन, प्राकृतिक संसाधन, खनिज संपदा के विपुल भंडार, लोक संस्कृति की अमूल्य विरासत और नैसर्गिक सौन्दर्य का अद्भुत संगम है। इस सुंदर धरती के विकास की सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को हमारे डबल इंजन की सरकार ने अब दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में नेशनल डिफेंस कॉलेज के सैन्य एवं सिविल सेवा अधिकारियों के अध्ययन दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने देश-विदेश से आए अधिकारियों का स्वागत करते हुए शाल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। अध्ययन दल का नेतृत्व कर रहे एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने छत्तीसगढ़ प्रवास के अनुभव साझा करते हुए राज्य की भौगोलिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक विशेषताओं की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री को सैन्य स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सघन वनों, खनिज संपदा, समृद्ध लोक संस्कृति और नैसर्गिक सौंदर्य का अद्वितीय संगम है। उन्होंने बताया कि राज्य का लगभग 46 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है, जिसमें एक पेड़ मां के नामह्व अभियान और कैम्पा योजना का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्री साय ने कहा कि राज्य खनिज संसाधनों से परिपूर्ण है, कोयले से लेकर हीरे तक यहां उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ वर्तमान में विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में सरप्लस राज्य है, जहां लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जिससे आने वाले समय में इतनी ही अतिरिक्त उत्पादन क्षमता विकसित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अब नक्सल समस्या समाप्ति की ओर है। इससे प्रदेश में शांति और विकास की गति और तेज होगी। कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोराह्व कहा जाता है और यहां किसानों के लिए प्रभावी धान खरीदी नीति लागू है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में ह्यमहतारी वंदन योजनाह्व का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके तहत 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं को प्रदान की जा चुकी है। इसके अलावा 05 लाख 30 हजार से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति, खान पान, रीति रिवाज परंपरा पर खुलकर बातें की और अपने राजनीतिक और सामाजिक अनुभव भी उनके साथ साझा किए।

विदेशी मेहमानों ने कहा अद्भुत है छत्तीसगढ़, सुंदर स्मृतियों के साथ पूरी हुई यात्रा

अध्ययन दल में शामिल विदेश के सैन्य अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ प्रवास को अद्भुत और यादगारह्व बताते हुए कहा कि राज्य भौगोलिक विविधताओं और उर्वर भूमि से समृद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र की जनजातीय संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा की। एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने कहा कि स्पष्ट नेतृत्व और सशक्त नीति के कारण प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों का मनोबल बढ़ा है जिससे नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्य हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं, जैसे महिला सशक्तिकरण और आवास योजनाओं, का जमीनी स्तर पर सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को कुशल नेतृत्व का परिणाम बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, आईजी ओ पी पाल, अध्ययन दल में आईपीएस अमनदीप सिंह कपूर, म्यांमार कर्नल लू जॉ आंग, ब्रिगेडियर मोहम्मद शाहिद अहमद, जापान के कर्नल उचीनो तोमोफुमी, ब्रिगेडियर कुंवर मान विजय सिंह राणा, सुश्री सुप्रिया घाघ, ब्रिगेडियर शिशिर थमैय्या, बांग्लादेश के ब्रिगेडियर जनरल फिरदौस आरिफ अहमद, ब्रिगेडियर केतन अरुण मोहिते, ब्रिगेडियर अनिरुद्ध चौहान, एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी, एयर कमोडोर मूलनाथ गिरीश, डॉ.राजेश कुमार अस्थाना, भूटान के कर्नल समतेन चेनोर, ग्रीस के कर्नल कॉन्सटेंटिनॉस नीरस शामिल है। उल्लेखनीय है कि नेशनल डिफेंस कॉलेज द्वारा प्रतिवर्ष एक साल का कोर्स आयोजित किया जाता है। इस वर्ष 66वाँ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें 120 सैन्य तथा गैर सैन्य अधिकारियों का दल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 15 अधिकारियों का दल आर्थिक सुरक्षा और रणनीति विषय पर अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ पहुँचा, जिसमें 05 विदेशी सैन्य अधिकारी भी शामिल है।

इको टूरिज्म कार्यशाला से छात्रों को मिला पर्यटन और पर्यावरण संतुलन का नया दृष्टिकोण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रेमनगर स्थित महाविद्यालय में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित पाँच दिवसीय इको टूरिज्म कार्यशाला के चौथे दिन का सत्र छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास के नए आयाम विषय पर केंद्रित रहा। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी सिद्ध हुआ, जिसमें पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन पर विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुखमनिया जगते एवं विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष आलोक साहू उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञों के रूप में डॉ. अखिलेश द्विवेदी और डॉ. अखिलेश पाण्डे एवं विनोद साहू ने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन सह संयोजक हीरालाल सिंह ने किया।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद छत्तीसगढ़ी राज्य गीत के सामूहिक गायन ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक ऊर्जा से भर दिया। अतिथियों का स्वागत तिलक, बैच और पुष्पगुच्छ के साथ किया गया। स्वागत उदबोधन में सुश्री रेखा जायसवाल ने पर्यावरण संरक्षण को हमारा कर्तव्य बताते हुए कहा कि पर्यटन का विकास प्रकृति के संतुलन को ध्यान में रखकर ही होना चाहिए। उन्होंने ग्रीन डेवलपमेंट की अवधारणा पर जोर देते हुए जिम्मेदार पर्यटन की आवश्यकता बताई।

प्राचार्य डॉ. दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरगुजा संभाग के चुनिंदा महाविद्यालयों में से इस महाविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं की ओर संकेत करते हुए विद्यार्थियों को इसे रोजगार के अवसर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। आलोक साहू ने अपने उद्बोधन में स्थानीय प्रशासन द्वारा पर्यटन विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यटन क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।परंतु उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि विकास के नाम पर यदि प्राकृतिक धरोहरों को क्षति पहुँचाई जाती है, तो यह दीर्घकाल में हानिकारक सिद्ध होगा। मुख्य वक्ता डॉ. अखिलेश द्विवेदी ने अपने व्याख्यान में पर्यटन और पर्यावरण के बीच संबंध को वैज्ञानिक और संवैधानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में पर्यावरण संरक्षण को नागरिकों का मूल कर्तव्य माना गया है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करे। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे पर्यटन स्थलों का विकास होता है, वहाँ मानव गतिविधियाँ बढ़ती हैं, जिससे भूमि, जल और जैव विविधता पर दबाव पड़ता है। यदि इस दबाव को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ सकता है। उन्होंने सस्टेनेबल टूरिज्म की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमें ऐसे पर्यटन मॉडल को अपनाना चाहिए, जिसमें संसाधनों का उपयोग सीमित और संतुलित हो, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इन प्राकृतिक धरोहरों का लाभ उठा सकें। विषय विशेषज्ञ डॉ. साहू ने पर्यटन को रोजगार और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल घूमने-फिरने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक उद्योग है, जिसमें परिवहन, होटल प्रबंधन, टूर गाइड, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सुंदरता, जलप्रपात, वन क्षेत्र और सांस्कृतिक विविधता जैसे अनेक आकर्षण मौजूद हैं, जिन्हें व्यवस्थित रूप से विकसित कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकसित करें और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन के विकास में स्थानीय समुदाय की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। द्वितीय सत्र डॉ. पाण्डे ने अपने व्याख्यान में मानव और प्रकृति के संबंध पर गहन विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि आधुनिक विकास की दौड़ में मानव ने प्रकृति का अत्यधिक दोहन किया है, जिसके परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में कमी और प्राकृतिक आपदाओं की संख्या में वृद्धि हो रही है। उन्होंने इको टूरिज्म को एक ऐसा माध्यम बताया, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति से उतना ही लेना चाहिए, जितनी हमारी वास्तविक आवश्यकता हो, न कि लालच के आधार पर। उन्होंने पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि पर्यटन स्थलों पर अनुशासन, स्वच्छता और संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखेंगे, तो ही सतत विकास संभव होगा। इस कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला के आयोजक सचिव हरिशंकर ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालय के अन्य सदस्यों में कार्यक्रम के संयुक्त सचिव रविशंकर उर्रे, इसके अलावा मनबोध कुजूर, जयशंकर, अमित कुमार, शेषनन्दन टेकाम, डंकेश्वर वर्मन, सोनाली किंडो, श्रीमती पुनीता राजवाड़े, सुश्री अन्नू सिंह, डॉ. संजय वर्मा सहित श्रीमती सुभिया सिंह, किशुन, तथा चंद्रशेखर का सराहनीय योगदान रहा।कार्यशाला में पंजीकृत 50 प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी ने भी कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी एवं सफल बनाया। कार्यशाला का यह दिन विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक और जागरूक पर्यटक बनने की प्रेरणा भी मिली।

मकान सूचीकरण हेतु हुआ जिला स्तरीय फील्ड ट्रेनर्स का 3 दिवसीय प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण कार्य मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी एस.जयवर्धन के मार्गदर्शन एवं जिला जनगणना अधिकारी पुष्पेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में जिले में फील्ड ट्रेनर्स का 03 दिवसीय प्रशिक्षण 18 से 20 मार्च तक किया गया। यहां जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित प्रशिक्षण में समस्त फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना के प्रथम चरण में किये जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गई। ये फील्ड ट्रेनर आगे चलकर तहसील स्तर पर प्रगणक एवं सुपरवाईजर को प्रशिक्षित करेंगे। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर पी.सी. सोनी एवं सत्यम बालाजी ने बताया कि यह जनगणना 2027 स्वतंत्र भारत की प्रथम डिजिटल जनगणना होगी जिसमें प्रगणक द्वारा मोबाईल डिवाईस के माध्यम से जनगणना हेतु बनाये गये मोबाईल एप्प के माध्यम से जनगणना संबंधी समस्त जानकारी डिजिटल रूप में संग्रहित किये जायेगें। जनगणना में देश के सामान्य निवासियों के स्वगणना का विकल्प दिया गया है। जिसमें वे अपने परिवार की जनगणना संबंधी जानकारी निर्दिष्ट वेब पोर्टल के माध्यम से भरकर सम्मिलित कर सकेगें। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा समस्त फील्ड ट्रेनरों को जनगणना का महत्व, उपयोगिता, जनगणना के चरण, डाटा संग्रहण की विधियाँ जनगणना की अवधारणाओं एवं परिभाषाओं की व्याख्या, जनगणना के कानूनी प्रावधान, जनगणना की गोपनीयता, प्रगणकों द्वारा मकान सूचीकरण का नजरी नक्शा तैयार करना, जनगणना में पूछे जाने वाले सभी 34 प्रश्नों की जानकारी, मोबाईल एप्प के तकनीकी पहलुओं की जानकारी, स्वगणना में प्रगणक के दायित्व की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें प्रगणक एवं सुपरवाईजर के कार्य एवं दायित्वों को गहराई से बताया गया। प्रशिक्षण में सभी फील्ड ट्रेनर के मोबाईल में मकान सूचीकरण कार्य हेतु बनाये गये टेस्टिंग मोबाईल एप्प इन्स्टाल कराकर फील्ड भ्रमण में ले जाया गया। जहां उनके द्वारा मकान सूचीकरण का डमी डाटा मोबाईल में संग्रह कर तकनीकी एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया गया।

कलेक्टर ने राइस मिलर्स एवं समिति प्रबंधक की ली संयुक्त बैठक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने जिले में धान उठाव एवं चावल जमा की प्रगति की समीक्षा के लिए राइस मिलर्स एवं समिति प्रबंधकों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने धान उठाव एवं राइस मिलिंग की अद्यतन स्थिति की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने राइस मिलर्स एवं समिति प्रबंधकों को आपसी समन्वय से धान उठाव की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान की सुरक्षा सुनिश्चित करना समितियों की जिम्मेदारी है, इसलिए सभी संबंधित अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ करें। उन्होंने मिलर्स को 31 मार्च तक धान उठाव का कार्य पूर्ण करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए धान उठाव में किसी प्रकार की बाधा न आने दें।

आज से प्रारम्भ सरगुजा ओलंपिक में जिले के 410 खिलाड़ी होंगे शामिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संभाग स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों को रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले ने खिलाड़ियों से भरी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता 21 से 23 मार्च तक सरगुजा में आयोजित की जाएगी, जिसमें जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी संभाग स्तर पर सूरजपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में जिले से 410 खिलाड़ी 12 विभिन्न खेल विधाओं में भाग लेंगे। जिला प्रशासन ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस की बैठक में कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करने बनी रणनीति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां सर्किट हाउस में शुक्रवार को शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की आयोजित बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर के संयुक्त नेतृत्व एवं शहर कांग्रेस प्रभारी नरेन्द्र जैन, विकास सिंह व ब्लॉक कांग्रेस प्रभारी संजीव श्रीवास्तव की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के कार्यकारिणी विस्तार, संगठन के गतिविधियों की रूप-रेखा एवं आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय किया गया। साथ ही बूथ स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक के कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करने की रणनीति तय हुई। बैठक में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रमुखता के साथ महत्व देते हुए जनता के बीच जाकर भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा जनता के साथ किए जा रहे छल एवं झूठे वादे एवं कांग्रेस द्वारा देश एवं प्रदेश के विकास के लिए किए गए कार्यों को पहुंचाने की रूप रेखा तय किया गया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह, पूर्व जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रामकृष्ण ओझा, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, मनोज अग्रवाल, वीरेन्द्र बंसल, विष्णु कसेरा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, नीरज तायल, नवीन जायसवाल, अविनाश यादव, भावना सिंह नेताम, धर्मेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र मिश्रा, बाबूलाल सिंह, किशुन सिंह, बाबूलाल राजवाड़े, हरक लाल राजवाड़े, दिलीप सोनी, हिमांचल राजवाड़े, चंदूल कुशवाहा, कलकत्ता राजवाड़े, इंद्रजीत शर्मा, सैयद नदीम, मुस्तफा खान, शिवम साहू, सौरभ गुप्ता, सुमंत राजवाड़े, गिरधारी साहू, प्रशांत साहू, नूरेशा तिर्की, अंजना दास, मोहिबुल हसन, मधु साहू, राजेश सोनवानी, देश दीपक दीवान, हुपेश प्रजापति, संजय कुजूर, सोमनाथ सिंह, दिनेश सिंह, रामेश्वर, मोहनराज, गुलशन राजवाड़े, परमेश्वर सिंह, बाला राम राजवाड़े, सुरेन्द्र सिंह, सोमारू सिंह, प्रवीण सोनी, मोहन सिंह, रामसिंह, कमलेश राजवाड़े, लालू राजवाड़े, अमित यादव, शौर्य रवि एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नवरात्रि के दूसरे दिन महुली में उमड़ा आस्था का सैलाब, गूंजे जयकारे

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन जिला सूरजपुर के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत महुली स्थित प्रसिद्ध मां गढ़वतिया देवी धाम में आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु कठिन पहाड़ी रास्तों को पार कर मां भगवती महिषासुर मर्दिनी के दर्शन हेतु पहुंचे, जिससे पूरा धाम भक्तिमय वातावरण में डूब गया। ऊंचे पर्वतों और प्राकृतिक गुफाओं में विराजमान मां गढ़वतिया देवी के दरबार में दूसरे दिन विशेष पूजा-अर्चना, ज्योति प्रज्वलन एवं मनोकामना ज्योति कलश स्थापना का सिलसिला लगातार जारी रहा। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य जिलों से भी श्रद्धालु यहां पहुंचकर मां का आशीर्वाद ले रहे हैं।

इस दौरान श्री सर्वेश्वरी समूह, अवधूत भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम पड़ाव, वाराणसी एवं स्थानीय समाजसेवियों के सहयोग से सेवा कार्यों का विस्तार और भी बढ़ा दिया गया। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त पियाऊ, प्रसाद वितरण एवं विश्राम व्यवस्था की गई, जिससे भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। धाम में पूरे दिन ढोल-नगाड़ों, शंखध्वनि और जय माता दी के गगनभेदी जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में भक्ति गीत गाती नजर आईं, वहीं युवा वर्ग भी सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते दिखाई दिए।प्रशासन और स्थानीय समिति द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा गया है, जिससे भीड़ के बावजूद व्यवस्था सुचारू बनी हुई है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

अधिसूचना

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के विद्युत परिचालन विभाग में अनुदेशक (बाह्य संवर्ग पद) के कुल 07 रिक्त पदों को सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों की संविदा आधार पर पुनः नियुक्ति के द्वारा भरने हेतु आवेदन मांगे गए हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	विभाग	पद	कुल खाली पद	पे लेवेल	नियम और शर्तें
1.	विद्युत परिचालन	अनुदेशक (बाह्य संवर्ग पद)	7	7	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से CLI के पद से रिटायर्ड

नोटः-

1. साधारण डाक द्वारा, आवेदन के लिफाफे पर अनुदेशक (बाह्य संवर्ग पद) विद्युत परिचालन विभाग के रूप में भर्ती "शीर्षक लिखकर व मंडल कार्मिक अधिकारी, द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर-495004 को भेजें।

अथवा

2. कवर पर अनुदेशक (बाह्य संवर्ग पद) विद्युत परिचालन विभाग" हेडिंग लिखकर आवेदन को कार्मिक विभाग में, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, बिलासपुर-495004 में फिजिकली जमा करें।

अथवा

3. आवेदक अपना आवेदन ई-मेल आईडी: **srdpo.omr.contract@gmail.com** के जरिए भी जमा कर सकते हैं।

आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख है 07-04-2026

विस्तृत अधिसूचना एवं आवेदन पत्र का प्रारूप उपलब्ध है https://secr.indianrailways.gov.in.

a. (Recruitment / News / Press Release → Recruitment → Bilaspur)
b. (Dept./Div. of SECR-Division-BILASPUR-Personnel-Notification)

आवेदन के साथ जमा किये जाने वाले दस्तावेज :
(i) दो पासपोर्ट साईज फोटो (ii) आखरी पे सार्टिफिकेट एवं पेंशन विवरण के साथ पेंशन भुगतान ऑर्डर। (iii) सर्विस सार्टिफिकेट (iv) आधार कार्ड एवं पैन कार्ड।

सहायक कार्मिक अधिकारी-I
सीपीआर/10/772 कृते वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी/बिलासपुर

South East Central Railway   X@secrail

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मनेन्द्रगढ़,जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर (छ.ग.)

क्रमांक /3319/न पा /2025-26/   मनेन्द्रगढ़. दिनांक 19/03/2026

// निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैन्युअल पद्धति द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है-

1.निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर डाक -
द्वारा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 10/04/2026 समय दोपहर 01:30 बजे तक।
2. निविदा खोलने की तिथि - 10/04/2026 समय दोपहर 05:00 बजे।

क्र	कार्य का नाम	लागत राशि (रू.लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	समयावधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ के वार्ड न. 09 में कुआ के पास शेड निर्माण कार्य।	5.00	5000/-	750/-	04 गाह
2	नगर पालिका परिषद् मनेन्द्रगढ़ के वार्ड नं 17 में जोडा तालाब के पास शेड निर्माण कार्य।	5.00	5000/-	750/-	04 गाह
3	नगर पालिका परिषद् मनेन्द्रगढ़ के वार्ड नं 22 में आमाखेरवा तिराहा मुक्तिधाम के पास शेड निर्माण कार्य।	5.00	5000/-	750/-	04 गाह
4	विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ में पशुचिकित्सालय मनेन्द्रगढ़ में प्रशिक्षण कक्ष निर्माण कार्य।	4.03	4100/-	750/-	04 गाह
5	विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के तहसील कार्यालय मनेन्द्रगढ़ में शौचालय निर्माण कार्य।	2.70	2700/-	750/-	03 माह
6	पं0 दीनदयाल उपाध्याय पार्क में प्रतिक्षालय भवन्, शेड निर्माण पार्क किनारे सड़क एवं रंग रोगन कार्य।	5.00	5000/-	750/-	04 गाह

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् मनेन्द्रगढ़
जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

नगर पालिका के करों का भुगतान समय पर करें।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग
सरगुजा वनमण्डल अम्बिकापुर (छ.ग.)
नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि सरगुजर वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार अम्बिकापुर में भण्डारित ईमारती एवं जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि एवं समय में ई-ऑक्शन किया जावेगा। इच्छुक व्यापारी एवं अन्य क्रेताओं से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन से संबंधित शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/काष्ठागार अम्बिकापुर से प्राप्त की जा सकती हैं।

काष्ठागार अम्बिकापुर

नीलाम दिनांक - 26.03.2026   समय - प्रातः 09:00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		पुराना वनोपज		योग वनोपज	
	लटठा (घ.मी.)	बल्ली (नग)	लट्ठा (घ.मी.)	बल्ली (नग)	लट्ठा (घ.मी.)	बल्ली (नग)
सागौन	0.184	0	124.981	2376	125.165	2376
साल	1575.000	200	3872.055	2787	5447.055	2987
साजा	3.000	0	1.863	0	4.863	0
खम्हार	0.000	0	6.486	0	6.486	0
धावड़ा	0.000	0	42.470	0	42.470	0
नीलगिरी	0.000	0	6.051	0	6.051	0
सलैया	5.806	0	65.659	14	71.465	14
हल्दू	0.000	0	12.457	0	12.457	0
अन्य	170.000	0	1031.640	1760	1201.640	1760
योगः-	1753.99	200	5163.662	6937	6917.652	7137
जलाऊ	-	-	1525	Chatta	1525	Chatta

टीप :-
1. क्रेता को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते हैं।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 20 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
जी-252607277/2   सरगुजा वनमण्डल अम्बिकापुर (छ.ग.)

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

अकीदत के साथ अता की गई अलविदा जुमा की नमाज, सुख-समृद्धि और विश्व शांति की कामना

रमजान के माह में 26 वर्षों बाद 5 जुमा को नमाजियों ने अल्लाह की इबादत और दुआओं की अहमियत बढ़ाने वाला बताया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। रमजान के महीने के अंतिम शुक्रवार को अलविदा जुमा की नमाज अता करने शहर के जयस्तंभ चैक स्थित जामा मस्जिद प्रांगण में बड़ी संख्या में लोग जुटे। सभी ने परिवार के सुख-समृद्धि व विश्व शांति की कामना की। अलविदा जुमा की नमाज हाफिज व कारी असीमुद्दीन रिजवी व तकिया में मौलाना मोइन ने अता कराया। उन्होंने इस मौके पर ईद-उल-फितर व नवरात्रि पर्व के एक साथ पड़ने का जिक्र करते हुए भारत की तरक्की, आपसी भाईचारा की मजबूती का संदेश दिया गया। पूरे भारत में 21 मार्च, शनिवार को ईद-उल-फितर मनाई जाएगी। 26 साल बाद रमजान में 5 जुमा का संयोग बना है।

रमजान के महीने में छोटे बच्चों के साथ ही बड़ों को ईद-उल-फितर का इंतजार है। इसी क्रम में शुक्रवार को अलविदा जुमा का नमाज अता करने बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग जामा मस्जिद के अलावा सद्भावना ग्राम तकिया में स्थित मुरादशाह बाबा के मजार में पहुंचे। सभी ने अलविदा जुमे की नमाज अता करके सभी के लिए परिवार की सुख-समृद्धि, सामाजिक एकता, सांप्रदायिक एकता व विश्व शांति की कामना की। हाफिज व कारी असीमुद्दीन रिजवी ने सभी से नेक रास्ते पर चलने का आव्हान किया। इसके अलावा शहर के सभी मस्जिदों में अलविदा जुमा की नमाज अता करने लोगों की भीड़ उमड़ी। 21 मार्च को ईद-उल-फितर पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। अलविदा जुमा की नमाज अता करने के दौरान जामा मस्जिद में अंजुमन कमेटी की ओर से नमाजियों के लिए व्यापक व्यवस्था की गई थी। कमेटी के आग्रह पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम ने भी साफ-सफाई के साथ पुलिस बल की व्यवस्था की थी। इस बार रमजान का पवित्र महीना एक खास और दुर्लभ संयोग लेकर आया है। धार्मिक विद्वानों के अनुसार आमतौर पर रमजान के पवित्र माह में 4 जुमे होते हैं, करीब 26 वर्षों बाद संयोग बना है कि पूरे रमजान में कुल 5 जुमा पड़े, जिसे मुस्लिम आवाम अल्लाह की इबादत और दुआओं की अहमियत को बढ़ाने वाला मान रहे हैं। इसे देखते हुए अकीदत और एहतराम के साथ रमजान के आखिरी जुमा का नमाज अता करने पहुंचे लोग उत्साहित नजर आए। अलविदा जुमा का दिन रमजान के रुखसत होने का पैगाम देता है, इसके साथ ही नमाजी और रोजेदारों को तौबा, इबादत और दुआओं का मौका देता है। आयोजन व्यवस्था में अंजुमन कमेटी के सदर इरफान सिद्दीकी, नायब सदर मिन्हाजुल खान, याकूब खान, जावेद खान, सचिव अफजाल अंसारी, रिजवान सिद्दीकी, तनवीर हसन, परवेज आलम, अनिक खान, इमरान सिद्दीकी सहित अन्य सक्रिय रहे।

ईदगाह में आज अता की जाएगी नमाज

अलविदा जुमा की नमाज पढ़ने के बाद शनिवार को ईदगाह में 21 मार्च को सुबह 9 बजे से नमाज अता की जाएगी। यहां काफी संख्या में पहुंचने वाले नमाजियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से यातायात सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। शुक्रवार को ईदगाह स्थल का पुलिस और प्रशासन की टीम ने जायजा लिया, और अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमिन वक्फ द्वारा यहां सुनिश्चित की जा रही बैठक व टेंट की व्यवस्था को देखा। नमाज के लिए पहुंचने वाले लोगों के लिए निगम की ओर से पानी टैंकर की व्यवस्था भी की जाएगी।

धर्मांतरण विरोधी कानून आदिवासी अस्मिता और संस्कृति की रक्षा के लिए मजबूत कदम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भाजपा सरगुजा अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा धर्मांतरण के विरुद्ध बनाए गए सशक्त कानून का स्वागत किया है। यह कानून आदिवासी समाज की अस्मिता, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण कदम है।

भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की उपस्थिति में भाजपा अजजा मोर्चा द्वारा स्थानीय घड़ी चौक पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ वृत्त श्रृंखला निकाली गई। पटाखे फोड़े गए एवं कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि यह कानून आदिवासी समाज की पहचान और परंपराओं की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। जबरन धर्मांतरण पर रोक लगाकर सरकार ने समाज के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। महापौर मंजूषा भगत ने कहा यह कानून विशेष रूप से महिलाओं और कमजोर वर्गों को प्रलोभन एवं दबाव से बचाने का कार्य करेगा। यह समाज को सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष इंदर भगत ने कहा आदिवासी समाज सदियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं के साथ जुड़ा हुआ है। इस कानून से उन पर हो रहे अन्याय पर प्रभावी रोक लगेगी। भाजपा अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष बिंदेश्वरी पैकरा ने कहा यह कानून आदिवासी समाज के स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा का मजबूत माध्यम बनेगा। अजजा मोर्चा इस निर्णय का पूर्ण समर्थन करता है। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष, विकास पांडेय, निश्चल प्रताप सिंह, निलेश सिंह, संतोष दास, रूपेश दुबे, जनमेजय मिश्रा, अंकित जयसवाल, अनिल निराला, मनोज गुप्ता, करता राम गुप्ता, बिहारीलाल भगत, कमलेश टोप्पो, श्वेता गुप्ता, राकेश बबलू, शिवमंगल सिंह, अनिल तिवारी, मनोज कंसारी, शुभांगी बिहाड़े, राधा रवि, मधु चौदहा, अवधेश केरकेट्टा, निरंजन राय, पुरुषोत्तम, सत्यम साहू, संजीव वर्मा, नकुल सोनकर, किंजल किशोर पांडे सहित बड़ी संख्या में आजा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय राशन दुकान से चावल, चना, शक्कर चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय राशन दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात व्यक्ति ने चावल, शक्कर, चना चोरी कर ली। घटना 18 मार्च को शाम करीब 06 बजे से 19 मार्च को अलसुबह करीब 4.15 बजे के बीच की है।

जानकारी के मुताबिक राशन दुकान ग्राम लब्जी के संचालक अमर देव पैकरा पिता चंद्रिका प्रसाद पैकरा 53 वर्ष ने मणिपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 18 मार्च को वह राशन दुकान से ग्राहकों को राशन देकर शाम करीब 06 बजे दुकान बंद कर अपने घर आ गया था। 19 मार्च को अलसुबह लगभग 4.15 बजे ग्राम लब्जी का महेश्वर एक्का फोन करके बताया कि राशन दुकान में चोरी हुआ है। चोरी की संभावना पर जब वह राशन दुकान में पहुंचा तो ताला टूटा हुआ था अन्दर जा कर राशन का मिलान किया तो पता चला कि राशन दुकान से 10 बोरी चावल, 13 बोरी चना, 9 बोरी शक्कर को अज्ञात चोर, चोरी करके ले गया था। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

कचरे से होगी कमाई, प्लास्टिक वेस्ट से चमकेंगी सड़क

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत पर्यावरण संरक्षण और कचरा प्रबंधन की दिशा में नवाचार किया गया है। जिले में अब प्लास्टिक वेस्ट का उपयोग प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण के लिए किया जा रहा है। इस नवाचार के तहत मैनपाट क्षेत्र में पहली ऐसी प्रयोगात्मक सड़क का निर्माण किया गया है, जिसमें बिटुमिन (डामर) के साथ प्लास्टिक कचरे का मिश्रण किया जा रहा है। बतौली विकासखंड के सुवारपारा में स्थित प्लांट में गिट्टी और डामर के मिश्रण में प्लास्टिक वेस्ट मिलाया जा रहा है, ये प्लास्टिक वेस्ट स्वच्छ भारत मिशन के तहत हो रहे कचरा कलेक्शन से इकट्ठा हुए प्लास्टिक को दरिमा स्थित एसआरएफ सेंटर से पीएमजीएसवाई विभाग द्वारा खरीदा जाता है और सडक निर्माण में लगे ठेकेदार इसका उपयोग सडक निर्माण में कर रहे हैं। प्लास्टिक वेस्ट कभी शहर और पर्यावरण के लिए एक मुसीबत हुआ करता था, आज वही कचरा कमाई का साधन बन चुका है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत काम कर रही समूह की महिलाएं इस वेस्ट से पैसे कमा रही हैं। प्लास्टिक वेस्ट को पहले बाजार में 15 से 20 रुपये किलो का ही रेट मिल पाता था, लेकिन जिला प्रशासन के प्रयास से सड़क निर्माण के लिए इस प्लास्टिक वेस्ट को 25 रुपये किलो खरीदा जाएगा, जिससे महिलाओं की आमदनी भी बढ़ेगी।

आबकारी अमले ने घर में दबिश देकर गांजा के साथ विक्रेता को गिरफ्तार किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्रामवासियों की शिकायत पर आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने एक व्यक्ति के कब्जे से 950 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है।

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम को रनपुर खुर्द के निवासियों ने शिकायत की थी कि गांव में रहने वाले नूर मोहम्मद एवं उसके लड़के जफर एवं सफर कई वर्षों से गांजा बेच रहे हैं, जिससे पूरे गांव का माहौल बिगड़ रहा है। शिकायत की पुष्टि होने के बाद 20 मार्च को अलसुबह ही विभाग की टीम रनपुर खुर्द पहुंच गई थी। नूर मोहम्मद के घर में की गई छापामार कार्रवाई के दौरान मोहम्मद सफर मिला। घर की तलाशी लेने पर 950 ग्राम मादक पदार्थ गांजा मिला। आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20-ए के तहत कार्रवाई करते हुए मोहम्मद सफर को गिरफ्तार करके न्यायालय अंबिकापुर में पेश किया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि मोहम्मद सफर का परिवार काफी समय से रनपुर खुर्द में गांजे का व्यवसाय कर रहा है। आरोपी पूर्व में भी गांजा बेचने के जुर्म में जेल जा चुका है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत कुमार गुप्ता के साथ मुख्य आरक्षक रमेश दुबे, अशोक सोनी, नगर सैनिक गणेश पांडेय, रणविजय सिंह, महिला सैनिक राजकुमारी एवं चंद्रावती सक्रिय रहे।

'दिल्ली चलो' महारैली को सफल बनाने सरगुजा के गांव-गांव में चल रहा बैठकों का दौर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जनजाति सुरक्षा मंच सरगुजा के तत्वावधान में 'चलो दिल्ली' डीलिस्टिंग जनजाति गर्जना महारैली को सफल बनाने हेतु जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं, इसी क्रम में दरिमा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोनबरसा व अंबिकापुर खण्ड की बैठक कल्याण आश्रम, नमनाकला में हुई। इस दौरान वनवासी कल्याण आश्रम मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री सुभाष बडोले ने डीलिस्टिंग, पंजीयन एवं जनजाति हक-अधिकारों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। अधिक से अधिक लोगों को पंजीयन कराकर 'चलो दिल्ली' महारैली में शामिल होने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि धर्मांतरण के कारण जो लोग अपनी मूल परंपराओं से दूर हो चुके हैं, वे आरक्षण एवं विकास योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, जबकि पारंपरिक जीवन जीने वाला वास्तविक आदिवासी समाज कई बार इससे वंचित रह जाता है। जनजाति सुरक्षा मंच के प्रांत सह संयोजक इंदर भगत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए

कहा '1956 से ही हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म को छोड़कर अन्य धर्म अपनाने वालों को अनुसूचित जाति में आरक्षण का लाभ नहीं मिलता है, तो यही नियम अनुसूचित जनजाति वर्ग पर भी लागू होना चाहिए।' बैठकों में जिला संयोजक बिहारीलाल उरांव , अंबिकापुर खंड संयोजक देवनारायण भगत एवं बलराम भगत, मानसून भगत, उमेश किस्पोट्टा, अवधेश केरकेट्टा, बलजेंद्र एक्का, चंद्रमौली भगत, सुखदेव मिंज, शिवचरण गिरी, मनोज पासवान, राकेश कुशवाहा, मिथलेश श्रीवास्तव, उमेंद्र भगत, लक्ष्मी भगत, बलवंत आयाम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही। सभी ने एक स्वर में 'चलो दिल्ली' महारैली को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

पेट्रोल खत्म होने पर परिचित के यहां खड़ा किए बाइक को ले गए चोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पेट्रोल खत्म होने पर परिचित के यहां खड़ा किए गए मोटरसायकल को अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत दर्रीपारा निवासी गंगाधर बखला वर्तमान में तुर्रापानी धोबीपारा में कैलाश के यहां किराए के मकान में रहकर मजदूरी करता है। वह अपनी पत्नी शशिकला के नाम से मोटरसायकल क्रय किया है। 03 मार्च को वह मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 डीएफ 6147 से मजदूरी का पैसा लेकर कुंजन के घर फुन्दुरडिहारी जा रहा था। तुरियापारा के पास मोटरसायकल का पेट्रोल खत्म होने पर परिचित हीरालाल निवासी तुरीयापारा के घर में खड़ा करके बाद में ले जाने के लिए कहा। हीरालाल ने घर अंदर मोटरसायकल खड़ा कर देने के लिए कहा। 06 मार्च को सुबह 06 बजे वह अपने गांव कुसमी चला गया, तब तक मोटरसायकल सुरक्षित खड़ा था। 08 मार्च की रात 09 बजे बस से वापस आकर जब वह हीरालाल के घर तुरियापारा गया तो मोटरसायकल नहीं दिखा। 09 मार्च को सुबह 08 बजे हीरालाल के घर तुरियापारा गया और मोटरसायकल के बारे में पूछा तो पता चला कि रात में कोई अज्ञात चोर मोटरसायकल का लॉक तोड़कर चोरी कर लिया है। आसपास तलाश के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

युवती का दिनदहाड़े स्कूटी पार

कैटरिन पार्टी का काम करने वाली युवती का स्कूटी वाहन अज्ञात लोगों ने कोतवाली थाना क्षेत्र से चोरी कर लिया। राधा देवी पति करण किस्पोट्टा ने पुलिस को बताया है कि 16 मार्च को वह दोपहर करीब एक बजे कौआडांड, मायापुर में रहने वाले गुड्डू पार्षद के घर के पास अपने काम के बारे में बातचीत करने गई थी। बातचीत करके वापस लौटी तो स्कूटी नहीं थी। काफी खोजबीन के बाद भी स्कूटी क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 7675 का पता नहीं चला। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर लिया है।

बेकाबू कार का चालक सड़क के किनारे खड़ी दो महिलाओं को मौत की नींद सुलाया

दुर्घटना के बाद कार को छोड़कर भागा सवार, चंद्रपुर और केरता ग्राम में शोक का माहौल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर खड़गवां बैंक के पास बेकाबू कार के चालक ने सड़क के किनारे खड़ी दो महिलाओं को हवा में उड़ाते निकल गया, हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कुछ दूर जाने के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटनाकारित कार को पुलिस ने जब्त कर लिया है, चालक के तलाश में पुलिस लगी है। स्थानीय लोग यहां अक्सर होने वाली दुर्घटनाओं के कारण पहले भी स्पीड ब्रेकर की मांग कर चुके हैं।

जानकारी के मुताबिक गुरूवार की शाम को ग्राम चंद्रपुर निवासी ननका सिंह अपनी पत्नी खुलासो 45 वर्ष के साथ ग्राम केरता आए थे। यहां से अपनी एक अन्य रिश्तेदार महिला श्यामपति 35 वर्ष को साथ लेकर वापस चंद्रपुर जाने के लिए निकले थे। खड़गवां पहुंचने पर ननका सिंह ने कुछ सामान खरीदने के लिए अपनी बाइक को रोक दिया, और पास ही दुकान में चले गए। खुलासो और श्यामपति बाइक के पास ही सड़क के किनारे खड़े थे, इसी दौरान अंबिकापुर की ओर से आ रहे कार के चालक ने तेज रफ्तार में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए महिलाओं को चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों महिलाएं हवा में कई फिट ऊपर उछलकर दूर गिर गई, गंभीर चोट आने के कारण दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे का भयानक मंजर जिसने भी देखा, वे सहम गए और कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद कार सवार कुछ दूर जाने के बाद मौके पर ही कार को छोड़कर फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर प्रतापपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार को अपने कब्जे में ले ली है। चालक के तलाश में पुलिस लगी है। ग्रामीणों की मदद से दोनों महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रतापपुर लाया गया, यहां चिकित्सक ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को पुलिस ने दोनों महिलाओं का पोस्टमार्टम कराया है, और स्वजन को सौंप दिया है। घटना से ग्राम चंद्रपुर और केरता गांव में शोक का माहौल है। स्वजन व्यथित हैं, और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

पूर्व में भी हुए हादसे, नहीं बना स्पीड ब्रेकर

गांव के लोगों का कहना है कि इस मार्ग में पूर्व में भी दर्दनाक हादसे हो चुके हैं। गति अवरोधक बनाने की मांग पूर्व में की गई थी, लेकिन किसी प्रकार की कार्रवाई आज तक नहीं हुई है। ग्रामीणों ने स्पीड ब्रेकर नहीं बनने पर उग्र आन्दोलन करने की चेतावनी दी है।

मजदूर की करंट की चपेट में आने से हुई थी मौत, ठेकेदारों के विरूद्ध केस दर्ज

कनिष्ठ अभियंता ने कार्य पूर्णतः अनाधिकृत रूप से ठेकेदारों के द्वारा करना बताया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के थाना दरिमा अंतर्गत बिजली विभाग के ठेकेदारों के द्वारा कराए जा रहे स्ट्रीट लाइट लगाने के कार्य दौरान करंट के चपेट में आने से मजदूर की हुई मौत के मामले में पुलिस ने दो ठेकेदारों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक बीते 19.10.2025 को मुख्य बिजली ठेकेदार पवन मित्तल के निर्देशन में लेबर ठेकेदार कमलेश गुप्ता के द्वारा ग्राम पंचायत सोहगा में स्ट्रीट लाइट लगाने का काम कराया जा रहा था। लेबर ठेकेदार ने पवन मित्तल के आदेश पर मुनेश्वर टोप्पो व अन्य श्रमिकों को बिजली पोल पर काम करने के लिए बुलाया था। अपरान्ह करीब 3.30 बजे असुरक्षित तरीके से काम कर रहे मनेश्वर टोप्पो पिता बालमुकुन्द टोप्पो 33 वर्ष, निवासी टपरकेला, थाना दरिमा विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गया था। मजदूर को राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अंबिकापुर लाया गया, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया था। अस्पताल के पुलिस सहायता केंद्र में अस्पताल प्रबंधन की ओर से इसकी जानकारी दी गई थी, जिस पर पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा, पोस्टमार्टम स्वजन के मौजूदगी में कराया था, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट अग्रिम जांच कार्रवाई के लिए दरिमा थाना पुलिस के सुपुर्द किया था। जांच के दौरान पुलिस ने गवाहों के अलावा बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता दरिमा से स्ट्रीट लाइट लगाने संबंधी कार्य की जानकारी ली तो सामने आया कि काम में लगे ठेकेदारों के द्वारा विद्युत विभाग से काम के लिए कोई परमिट-टू-वर्क या शटडाउन प्राप्त नहीं किया गया था और न ही विभाग को इसकी सूचना दी थी। कनिष्ठ अभियंता दरिमा की तकनीकी रिपोर्ट के आधार पर यह कार्य पूर्णतः अनाधिकृत रूप से ठेकेदारों के द्वारा किया जा रहा था। इनके द्वारा काम के दौरान मजदूर को स्वयं की सुरक्षा के लिए किसी प्रकार के उपकरण भी उपलब्ध नहीं कराए गए थे। पुलिस ने जांच में पाया कि ठेकेदारों की लापरवाही, उपेक्षापूर्ण कृत्य और सुरक्षा नियमों को उल्लंघन के कारण चालू बिजली लाइन के संपर्क में आने से मजदूर मनेश्वर टोप्पो की पोल से गिरकर मृत्यु हो गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी द्वय ठेकेदारों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 138, 106(1), 125, 3(5) का मामला दर्ज कर लिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर